हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 297, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 21 अप्रैल, 2023 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

अतीक व अशरफ हत्याकांड का क्राइम सीन किया गया रिक्रिएट

एक-एक कदम की हुई पैमाइश, घायल सिपाही से भी पूछताछ

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय काल्विन के गेट पर माफिया अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या का गुरुवार को सीन दोहराया गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पूरे सीन को फिर से तैयार किया, अतीक और हमलावरों के बीच की दूरी को फीते से नापा। इसके बाद यह भी देखा कि पुलिस की प्रतिक्रिया में कितना समय लगा। इस दौरान अस्पताल के आस-पास पुलिस फोर्स को तैनात किया गया था।

मौके पर एसआइटी की टीम हत्यारोपियों को लेकर मौके पर पहुंची। बताते चलें कि अतीक व अशरफ को काल्विन अस्पताल के गेट पर 15 अप्रैल की रात गोली मारी गई थी, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में गठित आयोग पूर्व डीजीपी सुबेश कुमार सिंह व पूर्व जज बृजेश कुमार सोनी जांच के सिलसिले में गुरुवार को प्रयागराज पहुंचे। जांच के दौरान आयोग पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ करेगा। 2 महीने में इस केस की जांच पूरी कर रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। काल्विन अस्पताल में बिना आईडी कार्ड के मीडियाकर्मियों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

15 अप्रैल को हुई थी अतीक-अशरफ की हत्या- अतीक-अशरफ को उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने रिमांड पर लिया गया। हत्या वाले दिन दोनों पुलिस के साथ निशानदेही के लिए गए थे। वापसी में उनका मेडिकल काल्विन अस्पताल में हुआ था। वहां से निकलने के बाद मीडिया कर्मियों के वेश में आए अरुण मौर्य, लवलेश तिवारी और सनी ने मौका पाते ही अतीक-अशरफ को गोलियों से भून दिया था।

24 फरवरी को हुई थी उमेश पाल की हत्या- 24 फरवरी को प्रयागराज में विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल और उसके दो सरकारी गनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से इस हत्याकांड की जांच शुरू की तो उसमें माफिया अतीक अहमद का बेटा उमेश पाल पर गोलियां बरसाते हुए नजर आ रहा आया। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल 4 आरोपितों को मुठभेड़ में मार गिराया, बाकी अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

2024 में भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे : शिवपाल

इटावा। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि निकाय चुनाव में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की बड़ी जीत होगी। पार्टी ने प्रदेश में जीतने वाले प्रत्याशी ही मैदान में उतारे हैं। वे गुरुवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व उनके द्वारा सभी कार्यकताओं के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वे और अखिलेश यादव मिलकर चुनाव प्रचार भी करेंगे। कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशियों को जिताने में लगेंगे। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारियों के दम पर चुनाव में बेईमानी कराई जा सकती है। धन का दुरुपयोग हो सकता है। चुनाव आयोग से अपेक्षा है कि निष्पक्ष चुनाव कराए। जनता ने बुरे दिन झेले हैं, आने वाले दिनों में जनता इसका बदला लेगी। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत किया जा रहा है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में देश से भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे। प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब है, भ्रष्टाचार फैला हुआ है। अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ की हत्या पर शिवपाल ने कहा कि इस मामले में पुलिस व इंटेलीजेंस बिल्कुल फेल हो गई। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज अब उत्तर प्रदेश में नहीं बची है। आरएलडी व सपा के बीच अनबन की खबरों को लेकर शिवपाल ने कहा कि सब कुछ ठीकठाक है।

बुद्ध की शिक्षाएं वैश्विक समस्याओं का समाधान पेश करती हैं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने बुद्ध के विचारों का स्मरण किया। उन्होंने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद, धार्मिक उग्रवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से गुजर रही है, ऐसे में भगवान बुद्ध के विचार इन समस्याओं का समाधान पेश करते हैं। वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि लोग और राष्ट्र अपने हितों के साथ वैश्विक हितों को भी प्राथमिकता दें। दुनिया को गरीबों और संसाधनों की कमी वाले देशों के बारे में सोचना होगा।

पीएम ने जोर देकर कहा कि भारत बुद्ध द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण कर रहा है। भारत ने इतने सारे क्षेत्रों में अपना पहला स्थान हासिल किया है और उसने भगवान बुद्ध से उसी के लिए महान प्रेरणा प्राप्त की है। पीएम ने कहा कि बुद्ध का मार्ग सिद्धांत, अभ्यास और अहसास है। पिछले 9 वर्षों में भारत इन तीनों ही बिन्दुओं पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भूकंप की चपेट में आने के बाद तुर्किये सहित अन्य लोगों की मदद करने वाले देश का हवाला देते हुए पीएम ने कहा कि भारत ने हर इंसान के दर्द को अपना माना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बुद्ध के विचारों को प्रचारित करने और गुजरात में उनके जन्मस्थान और उनके लोकसभा क्षेत्र वाराणसी के साथ बौद्ध धर्म के गहरे संबंधों को उजागर करने का लगातार प्रयास किया है। शिखर सम्मेलन 20 और 21 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का विषय "समकालीन चुनौतियों का जवाबः अभ्यास के लिए दर्शन" पर आधारित है।

राजनाथ सिंह कोरोना से संक्रमित पाए गए, घर में ही हुए क्वारैंटाइन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उन्हें फिलहाल घर में ही क्वारैंटाइन किया गया है। डॉक्टरों की एक टीम ने उनकी जांच की है और अगले कुछ दिनों के लिए आराम करने की सलाह दी है। डॉक्टरों के मुताबिक, रक्षा मंत्री में हल्के लक्षण देखे गए हैं। गौरतलब है कि राजनाथ को गुरुवार को ही भारतीय वायुसेना की कमांडर कॉन्फ्रेंस में जाना था, लेकिन संक्रमित मिलने के बाद उन्हें अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है।

भाजपा की रणनीति, वादा करो, भूल जाओ व बुनियादी मसलों से ध्यान हटाओ : अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वादा करो, भूल जाओ और बुनियादी मसलों से ध्यान हटाओ, भाजपा की यही रणनीति है।

केंद्र में नौ साल और उत्तर प्रदेश में छह साल से सत्तासीन भाजपा सरकार ने एक भी ऐसा जनहित का काम नहीं किया, जिसे वह गिना सके। सपा अध्यक्ष ने जारी एक बयान में कहा कि भाजपा ने महंगाई और बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया था, लेकिन आज दोनों चरम पर है। एमएसपी पर खरीद का सिर्फ नाटक हो रहा है। बिचौलियों और बड़ी कंपनियों ने खूब लूट की। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुई फसलों की नुकसान का सरकार मुआवजा तक नहीं दे पाई और न कोई मदद की। शहर में व्यापारी और आम जनता भाजपा की नीतियों से परेशान है।

भाजपा चुनाव में अपनी हार को देखकर अपनी षड्यंत्रकारी चालों के जरिए लोगों का ध्यान भटका कर एक बार फिर मतदाताओं को भ्रमित करना चाहती है। पर, जनता सतर्क और सावधान है। वह भाजपा के हर षड्यंत्र का जवाब देगी। नगर निकाय चुनावों में भाजपा का सूपड़ा साफ होना तय है।

बढ़ रहे कोरोना के मामले, 24 घंटे में आए 12,591 नए केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार दूसरे दिन इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना के कुल 12,591 मरीज मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले आठ महीनों में ये सबसे ज्यादा मामले हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस अब 65 हजार के पार हो गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 65,286 हो गई है। लगातार दूसरे दिन कोरोना के मामलों में इजाफा हुआ है। इससे पहले, कल यानी 19 अप्रैल को कुल 10,542 मामले दर्ज किए गए थे। 18 अप्रैल को 7,633, जबकि 17 अप्रैल को 9,111 मामले सामने आए थे। बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से 40 लोगों की जान भी गई है। मृतकों की संख्या बढ़कर अब 5 लाख 31 हजार 230 हो गई है। कोरोना के कुल मामले में 4 करोड़ 48 लाख हो गए हैं। वहीं अब तक कुल 4 करोड़ 42 लाख 61 हजार 476 लोग इससे रिकवर हो चुके हैं।

सेना के वाहन में लगी आग 4 जवान शहीद

प्रखर एजेंसी। गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें सेना के 4 जवान शहीद हो गए। बता दें कि सेना के वाहन में अचानक आग लगी, जिसमें 4 जवान बुरी तरह जल गए। बता दें कि यह हादसा जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुआ है। जानकारी के अनुसार हादसा भाटाटूण्डियां क्षेत्र में हुआ। हादसे की जानकारी मिलते ही इंडियन आर्मी के उच्च अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचने लगे। वही मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल घटना को लेकर सेना का कोई बयान नहीं आया है। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। शुरूआती जानकारी के अनुसार हादसा उस वक्त हुआ जब सेना का वाहन भाटाटूण्डियां इलाके में से गुजर रहा था। सूत्रों की माने तो अचानक से तेज बिजली जैसी चमकी और वाहन में आग लग गई। बताया गया कि यह हादसा जिस जगह हुआ वह पूंछ जिले से करीब 90 किलोमीटर दूर है।

'राहुल जान लें, न्यायालय झुकेगा नहीं', भाजपा बोली- कोर्ट के झटके से गांधी परिवार का घमंड टूटा, ओबीसी समाज खुश

नई दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत की अदालत से झटका लगने के बाद भाजपा ने उनपर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर रोक न लगाकर न्यायालय ने दिखा दिया है कि वो किसी के दबाव में नहीं आने वाला है। संबित पात्रा ने कहा कि बीते दिनों जिस तरह से कोर्ट में कांग्रेस नेताओं ने जाकर अपना शक्ति प्रदर्शन किया और जिस तरह से ट्रायल कोर्ट पर ये दबाव बनाने की कोशिश की गई कि राहुल को साजिश के तहत सजा मिली, उसे अब झटका लग गया है। भाजपा ने कहा कि कोर्ट के फैसले ने दिखा दिया है कि राहुल गांधी अदालत से ऊपर नहीं है और कोर्ट किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। भाजपा ने कहा कि इस फैसले से गांधी परिवार का घमंड भी टूट गया है। संबित पात्रा ने आगे कहा कि इस फैसले से ओबीसी समाज से खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि राहुल यह मान रहे थे कि वो इस समाज को गाली देकर भी बचकर निकल जाएंगे, लेकिन यह उनकी गलतफहमी थी। दूसरी ओर कांग्रेस ने कहा कि वह गुजरात की एक अदालत द्वारा आपराधिक मानहानि मामले में राहुल की सजा पर रोक लगाने के आवेदन को खारिज करने के बाद अब दूसरे कानूनी विकल्प देख रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, "हम कानून के तहत अभी भी उपलब्ध सभी विकल्पों का लाभ उठाना जारी रखेंगे। अभिषेक सिंघवी शाम 4 बजे मीडिया को राहुल गांधी की अपील के बारे में जानकारी देंगे।" बता दें कि गुजरात के सूरत शहर की सेशंस कोर्ट ने राहुल गांधी के "मोदी उपनाम" टिप्पणी मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने के आवेदन को खारिज कर दिया। राहुल को मामले में दो साल की सजा मिली है।

शरद से अचानक मुंबई में मिले अदाणी, एनसीपी प्रमुख ने हिंडनबर्ग विवाद पर किया था सपोर्ट

मुंबई। उद्योगपति गौतम अदाणी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की है। दोनों के बीच ये मुलाकात शरद पवार के घर पर हुई है। इस दौरान काफी देर तक दोनों के बीच बंद कमरे में बातचीत भी हुई। ये मुलाकात क्यों हुई, अभी इसका पता नहीं चल सका है। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर शरद पवार ने गौतम अदाणी का समर्थन किया था। दरअसल, विपक्षी दल अदाणी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर विपक्षी दलों ने संसद में हंगामा भी किया था। हालांकि, शरद पवार ने विपक्ष के आरोप को दरकिनार करते हुए गौतम अदाणी का समर्थन किया था। शरद पवार हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर मचे विवाद के बीच अदाणी ग्रुप की प्रशंसा कर चुके हैं। अभी कुछ दिनों पहले शरद पवार ने कहा था कि इस मामले में किसी भी प्रकार की जांच की जरूरत नहीं है। पवार ने कहा था कि पहले भी इस प्रकार के मुद्दे उठते रहे हैं, लेकिन इस बार इस मुद्दे को पहले से कहीं अधिक महत्व दिया गया। पवार ने तब ये भी कहा था कि अदाणी समूह को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने निशाना बनाया है।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, कहा- हड़ताल पर नहीं जा सकते वकील, न्यायिक कार्यों में आती है बाधा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वकील हड़ताल पर नहीं जा सकते हैं और न ही काम से दूर हो सकते हैं। इसके साथ ही, इसने सभी उच्च न्यायालयों को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर शिकायत निवारण समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जहां अधिवक्ता अपनी समस्याओं के निवारण के लिए प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। जस्टिस एमआर शाह और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि जिला अदालत स्तर पर एक अलग शिकायत निवारण समिति का गठन किया जाना चाहिए, जहां वकील निचली न्यायपालिका के सदस्य के मामलों, दुर्व्यवहार को दर्ज करने या प्रक्रियात्मक परिवर्तन से जुड़ी अपनी वास्तविक शिकायतों के निवारण की मांग कर सकें। पीठ ने कहा, "हम एक बार फिर दोहराते हैं कि बार का कोई भी सदस्य हड़ताल पर नहीं जा सकता है। इस अदालत ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि अधिवक्ताओं के हड़ताल पर जाने या अपने काम से दूर रहने से न्यायिक कार्य बाधित होता है।" अदालत ने जिला बार एसोसिएशन ऑफ देहरादून द्वारा उनकी शिकायतों के निवारण के लिए एक उपयुक्त मंच की मांग करने वाले एक आवेदन का निस्तारण किया और रजिस्ट्री को आदेश के अनुसार कदम उठाने के लिए सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल को इस आदेश की प्रति भेजने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, कोर्ट ने कहा कि फोरम एक ऐसा स्थान होना चाहिए, जहां बार के सदस्य अपनी शिकायतों को व्यक्त कर सकें। बेंच ने कहा, "इसलिए, हम सभी उच्च न्यायालयों से अनुरोध करते हैं कि वे अपने संबंधित उच्च न्यायालयों में एक शिकायत निवारण समिति का गठन करें, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश कर सकते हैं और इस तरह की शिकायत निवारण समिति में दो अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश शामिल होने चाहिए। इनके नाम मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राज्य के महाधिवक्ता, राज्य की बार काउंसिल के अध्यक्ष और उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा।

भारत दौरे पर आएंगे पाक के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो, अगले महीने एससीओ सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी 4 और 5 मई को भारत दौरे पर आएंगे। पाक विदेश मंत्री गोवा में आयोजित होने वाले विदेश मंत्रियों की शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बिलावल के भारत दौरे को लेकर पाक ने बीते कई दिनों से कोई भी साफ राय नहीं रखी थी। पाक का कहना था कि बिलावल भारत आएंगे या नहीं इसपर अभी फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, अब पाक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलोच ने साफ किया कि वो भारत आ रहे हैं। मुमताज ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसलिए बैठक में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उन्हें एससीओ बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। बलूच ने कहा कि बैठक में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और पाकिस्तान द्वारा अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं के महत्व को दशार्ती है। यह 2014 के बाद में किसी भी पाकिस्तानी नेता द्वारा भारत का दौरा होगा। बता दें कि फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के युद्धक विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को उड़ा दिया था, जिसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध गंभीर रूप से तनावपूर्ण हो गए थे।

संपादकीय

मीठा जहर

कोई भी व्यक्ति जानते-बूझते हुए ऐसी जीवन-शैली नहीं अपनाएगा, अपने खानपान में ऐसी लापरवाही नहीं बरतेगा, जिससे उसके भीतर कोई गंभीर रोग पलने लगे। लेकिन बीते कुछ दशकों में खासतौर पर शहरों-महानगरों में जिस तरह की जीवन-शैली ने अपनी जड़ें जमाई हैं, उसने लोगों को अपनी ओर आकर्षित तो किया है, लेकिन साथ ही बिना किसी हलचल के ऐसा असर किया, जो अब वैश्विक स्तर पर चिंता की वजह बन रहा है। दरअसल, बाजार की चमक-दमक और दिखावे के बीच पलते और प्रभावित होते लोगों के खानपान में परंपरागत और प्राकृतिक वस्तुएं छूटती गईं और ऐसी चीजें शामिल होती गईं, जो कई तरह के जटिल रोगों की जड़ बनीं। इनमें मधुमेह पहले ही एक बड़ी समस्या के रूप में आम जनजीवन में पसर रहा था, अब इसी रोग की कड़ी में टाइप 2 मधुमेह के बढ़ते मामले कई देशों में एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं। जाहिर है, इसका मुख्य कारण भी खाने-पीने की चीजों में बरती जाने वाली लापरवाही है। जिन खाद्य वस्तुओं को लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरत मानते हैं, कई बार वही उनके शरीर में मीठा जहर बन कर पलने लगता है। दरअसल, एक शोध पत्रिका में प्रकाशित एक विश्लेषण में यह बताया गया है कि दुनिया भर में 2018 में टाइप 2 मधुमेह के एक करोड़ इकतालीस लाख से ज्यादा मामलों के पीछे खराब आहार एक प्रमुख कारण था। गौरतलब है कि दिनचर्या और खाद्य पदार्थों के मामले में लोग जिन चीजों को सहज मानते रहे हैं, उन्हीं का योगदान मधुमेह के पांव फैलाने में ज्यादा रहा है। मसलन, बहुत कम लोग हैं जो साबुत अनाज का सेवन करते हैं। इसके बरक्स परिष्कृत चावल, गेहूं की अधिकता और प्रसंस्कृत मांस का सेवन जरूरत से ज्यादा करना आम बात रही है। अध्ययन में इसी बिंदु पर चिंता जाहिर करते हुए बताया गया है कि खराब काबोर्हाइड्रेट गुणवत्ता वाला आहार टाइप 2 मधुमेह का विश्व स्तर पर एक प्रमुख कारक है। इस अध्ययन में शामिल एक सौ चौरासी देशों में सभी ने 1990 और 2018 की लंबी अवधि में इस कोटि के मधुमेह के मामलों में बढ़ोतरी देखी। हालांकि भारत से संदर्भ में राहत की बात यह है कि फिलहाल यहां टाइप 2 मधुमेह के सबसे कम मामले थे, मगर आम मधुमेह के मरीजों के मामले में यहां स्थिति काफी चिंताजनक रही है। यह जगजाहिर रहा है कि अकेले मधुमेह के चलते शरीर के कई हिस्से प्रभावित होते हैं और कई बार ये मौत की वजह भी बनते हैं। 2019 में दुनिया भर में करीब बीस लाख लोगों की मौत का कारण मधुमेह और खराब गुर्दे थे। अब वैश्विक स्तर पर टाइप 2 मधुमेह के बढ़ते मामले भी आम लोगों, परिवारों और देशों के भीतर स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर बोझ को दशार्ते हैं। विडंबना यह है कि जीवनशैली और खानपान से जुड़े ऐसे रोगों के कारणों की पहचान होने के बावजूद खाने-पीने की चीजों को लेकर सजगता का वह स्तर अभी नहीं है। हालांकि कुछ जगहों पर आहार में लाल मांस, प्रसंस्कृत मांस और आलू जैसी कुछ अन्य चीजें सामान्य हैं, लेकिन वही अब वहां टाइप 2 मधुमेह का एक बड़ा कारण बन रहे हैं। साबुत अनाज के सेवन के साथ-साथ खानपान के मामले में कुछ अन्य प्राकृतिक विकल्पों का रास्ता अपनाकर इस तरह की बीमारियों की चपेट में आने से बचा सकता है, लेकिन इन तथ्यों को लेकर पर्याप्त जागरूकता नहीं दिखती है। इसके उलट लोग बाजार और विज्ञापनों से प्रभावित होकर कई ऐसी चीजों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल कर लेते हैं, जिनका खमियाजा उन्हें मधुमेह जैसे रोग का शिकार होने के रूप में उठाना पड़ता है।

कम हुआ सम्मान !

नाम है नदारद ।
है होना प्रचार ।।
हुए सूची से गायब ।
ना मिला वो प्यार ।।
हैं इसके संकेत ।
कम हुआ सम्मान ।।
भले लगाओ काम में ।
आप अब जी जान ।।
चल रहा कुछ और ।
हो गया यह तय ।।
आने वाले दिनों में ।
बिगड़ सकती लय ।।।
हनन हुआ अधिकारों का ।
उनका इस प्रकार ।।
कर रहे महसूस ।
बेहद वो लाचार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सोने के प्रति बढ़ता वैश्विक रुझान

क्या वैश्विक स्तर पर सोने की खरीद के पीछे डालर के वैश्विक रुतबे को कम करना है? प्रारंभिक स्तर पर इसे एक कारण जरूर समझा जा सकता है, पर एक अन्य सोच यह भी हो सकती है कि वैश्वीकरण के इस दौर में आने वाला समय बड़े देशों के पारस्परिक गठजोड़ का ही होगा। उस दौरान सभी मुल्क एक-दूसरे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शायद सोने को मुद्रा का एक स्थान दे दें। इन दिनों वैश्विक बाजार में मानो सोने की खरीदारी का युग वापस आ गया है। सभी बड़े देश सोने की ताबड़तोड़ खरीद कर रहे हैं। बड़े देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा की जा रही सोने की खरीददारी का तात्पर्य घरेलू बाजारों में सोने की मांग बढ़ाना कतई नहीं, बल्कि अपने-अपने विदेशी मुद्रा भंडारण में डालर के मुकाबले सोने के संग्रह का अनुपात बढ़ाना है। पिछले कुछ समय से एकाएक चलन में आई सोने की खरीद ने इस सुगबुगाहट को बल दिया है कि डालर पर वैश्विक निर्भरता आने वाले समय में बड़ी तेजी से कम होगी। अगर ऐसा होता है तो यह पिछली एक शताब्दी में अमेरिका की वैश्विक साख के लिए बहुत बड़ा धक्का होगा।

वैश्विक बाजार में सोने की खरीद में एकाएक तेजी पिछले पांच-छह महीनों में ही दर्ज हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान चीन ने बहुत बड़े स्तर पर सोने की खरीदारी की है। इस साल के पहले तीन महीनों (जनवरी से मार्च) के दौरान चीन तकरीबन अट्ठावन मीट्रिक टन सोना खरीद चुका है। इसके चलते आज चीन में सोने का संग्रह अपने ऐतिहासिक स्तर पर है। पिछले एक वर्ष से अधिक समय से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा रूस भी पिछली तिमाही में बत्तीस मीट्रिक टन सोना खरीद चुका है और आज उसके पास 2330 मीट्रिक टन सोने का संग्रह है। रूस विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोने का उत्पादक मुल्क भी है, उसके बावजूद वह लगातार सोने की खरीदारी कर रहा है।

आश्चर्यजनक यह भी है कि पिछले दो महीनों में विश्व में सबसे अधिक 51.4 मीट्रिक टन सोने की खरीद सिंगापुर ने की है। तुर्किए ने 45.4 मीट्रिक टन सोना खरीदा है। यह भी अचंभित करने वाली बात है कि कजाकिस्तान, जोकि सोने का उत्पादक मुल्क है और पहले उसके आंकड़े सोने की बिक्री से संबंधित होते थे, वह भी सोना खरीद रहा है। इन सबका ही परिणाम है कि आज सोने का वैश्विक मूल्य 2032 अमेरिकी डालर के आसपास है और अगस्त 2020 के बाद के सर्वाधिक मूल्य स्तर पर है। अगस्त 2020 में कोरोना को महामारी मान लिया गया था और सभी मुल्क भविष्य के प्रति अनिश्चित थे। आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से सोने की खरीद को प्राथमिकता दे रहे थे। यह भी देखने को मिला है कि वर्ष 2010 के बाद अब पूरे विश्व में सोने का संग्रह अपने अधिकतम स्तर पर है। 2010 के आसपास विश्व के सभी देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद के पीछे मुख्य कारण वर्ष 2008-09 की अमेरिकी मंदी का प्रभाव था, क्योंकि डालर के प्रति वैश्विक स्तर पर बड़ी अनिश्चितता थी और सभी बड़े देश अपने आयत के भुगतान के लिए डालर की अनुपलब्धता के चलते सोने को एक विकल्प के रूप में ले रहे थे। मगर वर्तमान संदर्भ में खरीद का वास्तविक कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, पर यकीनन कुछ और है। विश्व के सभी बड़े देश अपने विदेशी मुद्रा संग्रह में एक बड़ा हिस्सा सोने के रूप में रखते हैं। मसलन, अमेरिका के पास सोने का संग्रह उसके विदेशी मुद्रा भंडारण का 68 प्रतिशत है, जर्मनी के पास 66 प्रतिशत से अधिक है, इटली में 63 प्रतिशत, फ्रांस में 59 प्रतिशत है। मगर रूस में अब भी 21 प्रतिशत का स्तर है, जबकि पिछले कुछ समय में रूस ने बहुत अधिक मात्रा में सोने की खरीद की है। इन दिनों चीन का संग्रह ऐतिहासिक ऊंचाई पर है, उसके बावजूद

उसके विदेशी मुद्रा भंडारण के संग्रह में सोना मात्र चार प्रतिशत के आसपास ही है। अगर भारत की बात की जाए, तो इन दिनों विदेशी मुद्रा भंडारण करीब 580 अरब अमेरिकी डालर के बराबर है, जिसमें सोने का अनुपात आठ प्रतिशत है। गौरतलब है कि भारत ने पिछले कुछ समय में सोने की खरीदारी में एकाएक तेजी तो नहीं दिखाई है, पर लंबे अरसे से लगातार सोने की खरीद बरकरार रखी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2020 की पहली तिमाही में भारत के पास 653 मीट्रिक टन सोने का संग्रह था, जो अगली तिमाही में 661 मीट्रिक टन हुआ तथा तीसरी तिमाही में 668 मीट्रिक टन पर पहुंचा। तीन वर्ष बीतने के बाद मार्च 2023 तक भारत के सोने का संग्रह 787 मीट्रिक टन के बराबर है। स्पष्ट है कि भारत द्वारा औसतन प्रति तिमाही दस मैट्रिक टन सोने की खरीद की गई है। क्या वैश्विक स्तर पर सोने की खरीद के पीछे डालर के वैश्विक रुतबे को कम करना है? प्रारंभिक स्तर पर इसे एक कारण जरूर समझा जा सकता है, पर एक अन्य सोच यह भी हो सकती है कि वैश्वीकरण के इस दौर में आने वाला समय बड़े देशों के पारस्परिक गठजोड़ का ही होगा। उस दौरान सभी मुल्क एक-दूसरे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शायद सोने को मुद्रा का एक स्थान दे दें। यह भी एक सच्चाई है कि पिछले दिनों अमेरिकी आर्थिक नीतियों के चलते डालर वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक आक्रमक रहा और उसके चलते लगभग सभी देशों की मुद्रा कृत्रिम रूप से वैश्विक स्तर पर कमजोर होती गई। भारत के संदर्भ में देखा जाए तो पिछले वित्तवर्ष में डालर ऐतिहासिक ऊंचाई पर चला गया था, जिसके कारण भारत के घरेलू बाजार में महंगाई अपने उच्चतम स्तर पर रही। वहीं दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका द्वारा रूस के खिलाफ लगाए गए विभिन्न आर्थिक प्रतिबंधों में रूस के सोने की वैश्विक खरीद पर रोक भी एक मुख्य कारण हो सकता है।

पिछले कुछ समय से यह भी चर्चा थी कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज संबंधी नीतियों के चलते विश्व के सभी बड़े देशों के पूंजी बाजारों में चल रही लगातार गिरावट, उनकी मुद्राओं के वैश्विक स्तर में हो रही कमी तथा घरेलू बाजार में महंगाई के उच्चतम आंकड़ों के चलते सभी मुल्क आर्थिक मंदी की जकड़न से ज्यादा दूर नहीं हैं। शायद इसी के चलते डालर का वैश्विक संग्रह लगातार कम हो रहा है। आइएमएफ की पिछले दिनों प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार 1999 तक जहां वैश्विक मुद्रा संग्रह में अमेरिकी डालर की हिस्सेदारी तकरीबन सत्तर प्रतिशत से अधिक थी, वह वर्ष 2022 में घट कर 59 प्रतिशत रह गई है।

भारत के संदर्भ में चिंता का विषय यह भी है कि चालू वित्तवर्ष के लिए विश्व के सभी बड़े आर्थिक संस्थानों, जिनमें विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियन विकास बैंक आदि सम्मिलित हैं, ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर छह प्रतिशत से कम अनुमानित किया है। हालांकि भारत सरकार ने इसे 6.4 प्रतिशत अनुमानित किया है। चालू वित्तवर्ष के बजट के अंतर्गत एक बड़ा हिस्सा पूंजीगत व्यय के लिए प्रस्तावित किया गया है, जो भारत की आर्थिक विकास दर को बढ़ाने में सक्षम होगा। वहीं दूसरी तरफ भारत सोने की खरीद को बरकरार रखे हुए है। मगर विश्व के दूसरे बड़े देशों की तुलना में भारत के सोने का संग्रह स्तर कम है। हालांकि चर्चा यह भी है कि आगामी अगस्त में होने वाली ब्रिक्स मुल्कों की बैठक में रूस द्वारा चीन की मुद्रा युवान को वैश्विक स्तर पर एक नया दर्जा देने की कोशिश की जाएगी, पर निश्चित तौर पर भारत उसे स्वीकार नहीं करेगा। आज भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले समय में उसकी कोशिश रहेगी कि विदेशी मुद्रा भंडारण में सोने का अनुपात बढ़ाया जाए, ताकि डालर के विरुद्ध वैश्विक कूटनीति के चलते भारत किसी भी तरह की आर्थिक अनिश्चितताओं का समय रहते बखूबी सामना कर सके।

जड़ों से दूर होती पौध

जीवन का सबसे सुंदर पड़ाव है बचपन, जहां न आज की चिंता होती है और न आने वाले कल की। यही वह समय होता है, जब हम सूरज की चकमक रोशनी से जागते हैं और रात को चंदा मामा की लोरी सुन सोते हैं। याद आता है वह बचपन, जब नानी घर जाने के सपने संजोए जाते थे। दादी के हाथों से बने लड्डू तो हमारी जान हुआ करते थे। किसी ने ठीक ही कहा है कि बचपन कुदरत का दिया अनमोल तोहफा होता है। कुदरत ने जो दिया मुझे/ है अनमोल खजाना/ कितना सुगम सलोना वो/ यह मुश्किल कह पाना।

सच में बचपन से खूबसूरत और सलोना समय जीवन में दोबारा नहीं आता। उस दौर में छुट्टियों का इंतजार शिद्दत से किया जाता था। यही वह समय होता था जब नानी के गांव का रुख किया जाता था। वहां बच्चों की आस देखती नानी और साथ में पूरा ननिहाल गांव से बाहर घर रास्ते में खड़ा मिलता था। तब इतने आधुनिक और अंग्रेजी नामों वाले व्यंजनों का नाम लोगों की कल्पना में भी नहीं आते थे। घर के बने शुद्ध घी में चुपड़ी रोटियां, साथ में मिट्टी की हांडी में कई बार खौलाया हुआ गाढ़ा दूध और चीनी कटोरे भर मिलता था। घर की उगाई सब्जियां रखना नानी कभी नहीं भूलती थीं। खाने की वह मिठास आज तक बहुतों के मुंह में कहीं बैठी लगती होगी, जो आज भी हमारे अंतर्मन को कड़वा होने से बचाती रहती है। पहले पर्व-त्योहार आने पर भी हम उन्हें सच्चे मन से मनाते थे। इतना आडंबर, दिखावा और तामझाम नहीं हुआ करता था। होली, दशहरा हो या दिवाली, हर त्योहार का अलग ही अंदाज होता था। होली तब केवल होली और दिवाली जगमग करती रोशनी फैलाती हुआ करती थी। बच्चे भी उसमें बढ़-चढ़कर अपना योगदान देते थे। नानी-दादी त्योहारों के पीछे छिपी कथाओं को सुनाया करती थी। उनकी महत्ता और विशेषताओं से भी अवगत कराती चलती थी। हम बचपन में ही कितनी सारी कहानियां जान जाते थे। आज अपने आसपास का माहौल देखकर अफसोस होता है। ताज्जुब होता है यह देखकर कि हम तथाकथित सभ्य और समृद्ध समाज में रहने वाले आने वाली पीढ़ियों को क्या दे रहे हैं। त्योहारों के पीछे की गहरी बातें बताने के बजाय हम उन्हें केवल ऊपरी चमक-दमक से ही लुभा रहे हैं। आज हर चीज को पैसे और चकाचौंध से भर दिया जा रहा है। इसे बढ़ावा देने में बेशक सोशल मीडिया का भी हाथ है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इन वेबसाइटों पर हम ही वक्त खपाते हैं, हम ही उनमें गुम हुए जाते हैं। आज हमारा अपने ऊपर से ही नियंत्रण कम होता जा रहा है। त्योहार या अवसर कोई भी हो, हर बार केवल फिल्मी गीतों को दोहराना। उन्हीं धुनों पर नौनिहालों को नचवाना। आज यही परिपाटी बनती जा रही है।

यह किस तरह की संस्कृति बन रही है, कभी समझ में नहीं आई। शिक्षक दिवस हो या दशहरा हो, दिवाली हो या नया साल हो या फिर वसंत पंचमी भी। हर मौके पर उन्हीं धुनों पर बच्चे नाचते-गाते दिख जाते हैं। ऐसा लगता है जैसे अगर उन गीतों पर नहीं नृत्य किया तो और कुछ बचा ही नहीं है करने को। कला का मतलब केवल फिल्में तो नहीं! हर साल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर औपचारिकता पूरी करने भर के लिए देशभक्ति गीत बजाए जाते हैं। लेकिन वे भी फिल्मी या फिल्मी गानों की तर्ज पर ही होते हैं। क्यों बच्चों को अलग-अलग त्योहारों की विशेषताओं से अवगत नहीं कराया जाता? क्यों उन्हें पर्व-त्योहार मनाने के सही तरीके नहीं सिखाए जाते? अपनी संस्कृति के बारे में जानना उनका भी अधिकार है।

यह ध्यान रखना चाहिए कि बचपन में मिला कोई भी माहौल बच्चों के लिए सामाजिक प्रशिक्षण का काम करता है। वे उस दौर में वही सीखते-समझते हैं, जो उनके सामने घट रहा होता है। इसी दौर में उनके सोचने-समझने का ढांचा विकास कर रहा होता है। यही वजह है कि परिवार और समाज या फिर आसपास जो भी वे देखते हैं, वह उनके मनोविज्ञान में घुलता जाता है। उसी से उनका व्यक्तित्व निर्धारित होता है कि वे समाज और दुनिया के लिए क्या साबित होंगे। ये बच्चे देश के भविष्य हैं। अगर हम आज नहीं चेते तो एक ऐसी पौध तैयार होगी, जिसे अपनी संस्कृति, अपने त्योहार, यहां तक कि अपने बारे में भी कुछ पता नहीं होगा। जिस जमीन पर वे अपने सपनों का महल बनाएंगे, वह खोखली हो चुकी होगी। बचपन हर किसी के लिए बहुत खास होता है। यह उम्मीदों और संभावनाओं से भरा हुआ होता है। इसमें बहुत सारी खूबसूरत यादें पलती हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमें पता चलता है कि हमारा बचपन सबसे अच्छा था। ऐसा सुंदर बचपन हर बच्चे का हक होता है। उन्हें इन सबसे महरूम नहीं करना चाहिए। उन्हें भी परियों, बौनों और तितलियों के साथ सपनों की दुनिया में उड़ने देना चाहिए। तभी उनके भी पर खुल पाएंगे।

राजस्थान में क्या वाकई तीसरे मोर्चे के गठन की तैयारी कर रहे हैं सचिन पायलट?

राजस्थान की जनता का अब तक यही राजनीतिक अंदाज रहा है कि यहां भाजपा और कांग्रेस को छोड़कर कभी भी कोई तीसरी पार्टी बहुत ज्यादा मजबूत नहीं हो पाई है। यदा-कदा बसपा और कुछ क्षेत्रीय नेताओं द्वारा बनाए गए दलों को कुछ सीटें जरूर मिलती रही हैं लेकिन सरकार और विपक्ष की भूमिका भाजपा और कांग्रेस ही निभाती आई हैं। इसमें से एक दल राजस्थान में सरकार चलाता है तो दूसरा विधानसभा में विपक्ष की भूमिका में रहता है। लेकिन राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और अशोक गहलोत सरकार में उपमुख्यमंत्री रह चुके सचिन पायलट के तेवरों से ऐसा लग रहा है कि वो राजस्थान में इस बार कुछ ऐसा करने जा रहे हैं जो इससे पहले कभी नहीं हो पाया था। ऐसा लग रहा है कि सचिन पायलट प्रदेश में तीसरा मोर्चा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने खुल कर अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा है लेकिन राजनीतिक संदेशों से ऐसा लग रहा है। बताया जा रहा है कि राजस्थान की राजनीति में पीके के नाम से मशहूर प्रशांत किशोर की एंट्री हो चुकी है। खबर आ रही है कि प्रशांत किशोर की कंपनी आईपैक को सचिन पायलट की राजनीति और भविष्य की रणनीति बनाने का जिम्मा सौंपा गया है और अगर यह खबर सच है तो इसका एक ही मतलब निकलता है कि सचिन पायलट इस बार कांग्रेस और भाजपा से अलग हटकर कुछ नया करने की योजना पर काम रहे हैं।

दरअसल, यह माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी देकर सचिन पायलट को राजस्थान भेजने वाले राहुल गांधी ने भी इस बार उन्हें अकेला छोड़ दिया है। महज कुछ साल पहले वर्ष 2018 में सचिन पायलट को कांग्रेस का उभरता हुआ सितारा बताया जा रहा था। राहुल गांधी ने बड़ी ही उम्मीदों के साथ उन्हें राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष बना कर जयपुर भेजा था। गांधी परिवार ने सचिन पायलट को राजस्थान की तत्कालीन वसुंधरा राजे सिंधिया की भाजपा सरकार को विधानसभा चुनाव में हराकर सत्ता से बाहर करने का दायित्व सौंपा था। उस समय अशोक गहलोत को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बनाया गया था जो कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष के बाद सबसे ज्यादा ताकतवर पद माना जाता है। चुनाव के पहले तक यह तय माना जा रहा था कि अगर कांग्रेस राजस्थान में चुनाव जीतती है

तो सचिन पायलट ही राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे, आखिर उनके सर पर उस समय में कांग्रेस के सबसे ताकतवर व्यक्ति और भविष्य के चेहरे राहुल गांधी का हाथ जो था। राहुल गांधी के भरोसे पर खरे उतरते हुए सचिन पायलट ने बतौर प्रदेश अध्यक्ष विधानसभा चुनाव में भाजपा को हरा कर वसुंधरा राजे सिंधिया को सत्ता से बाहर कर दिया। लेकिन जब मुख्यमंत्री पद पर ताजपोशी की बात आई तो जादूगर के नाम से मशहूर अशोक गहलोत ने दिल्ली छोड़कर जयपुर की ओर रुख कर लिया। उस समय नेताओं की एक लॉबी राहुल गांधी को यह समझाने में कामयाब हो गई कि पायलट अभी युवा हैं और उनके पास मुख्यमंत्री बनने के लिए अभी लंबा समय है। लेकिन 2018 से 2023 तक आते-आते कांग्रेस पार्टी में सचिन पायलट के लिए स्थिति लगातार असहज होती चली गई।

कांग्रेस पार्टी के रुख से अब यह साफ-साफ नजर आने लगा है कि सचिन पायलट को इस टर्म में सीएम का पद नहीं मिलने वाला है और भविष्य को लेकर भी फिलहाल उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल पा रहा है। सचिन पायलट के अनशन के खिलाफ जिस स्पष्ट तरीके से कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने अशोक गहलोत का साथ दिया और जिस तरह से प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ मिलकर कांग्रेस विधायकों से वन-टू-वन फीडबैक ले रहे हैं , उससे भी यह स्पष्ट हो रहा है कि कांग्रेस गहलोत की अगुवाई में ही विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। वहीं दूसरी तरफ वसुंधरा राजे सिंधिया के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के मामले की जांच की मांग को लेकर अनशन पर बैठकर फिलहाल उन्होंने भाजपा के लिए भी अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं क्योंकि भाजपा भी चुनाव से पहले वसुंधरा राजे सिंधिया को नाराज कर सचिन पायलट को अपने पार्टी में शामिल करने का जोखिम नहीं उठा सकती है। पायलट को भी बखूबी इसका अंदाजा है इसलिए यह कहा जा रहा है कि वे अब प्रदेश की राजनीति में तीसरा मोर्चा खड़ा कर अपनी ताकत साबित करने का प्रयास कर सकते हैं। राजस्थान से लोकसभा सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल तो पहले ही सचिन पायलट को कांग्रेस से इस्तीफा देकर तुरंत नई पार्टी बनाने की सलाह दे चुके हैं। बेनीवाल पायलट की नई पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार है और उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने को भी तैयार हैं। राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद आम आदमी पार्टी भी जोर-शोर से राजस्थान में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। जिस दिन सचिन पायलट अनशन पर बैठे थे, उस दिन सबसे पहले आम आदमी पार्टी ही उनके समर्थन में सामने आई थी। ऐसे में संभावना यह जताई जा रही है कि भ्रष्टाचार के नाम पर आम आदमी पार्टी भी पायलट के मोर्चे में शामिल हो सकती है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो सचिन पायलट, हनुमान बेनीवाल और केजरीवाल के साथ मिलकर अगर तीसरा मोर्चा बनाने में कामयाब हो जाते हैं तो सिर्फ कांग्रेस ही नहीं बल्कि भाजपा के समीकरण को भी बिगाड़ सकते हैं लेकिन अगर मायावती की पार्टी बसपा भी उनके गठबंधन में शामिल हो जाती है तो फिर वे राजस्थान की राजनीति में नया इतिहास बना सकते हैं लेकिन अभी इसमें कई किंतु-परंतु भी लगे हुए हैं कि क्या सचिन पायलट कांग्रेस से अलग होकर अपने नए राजनीतिक दल का गठन करने जैसा बड़ा फैसला करने को तैयार हैं? हनुमान बेनीवाल तो उन्हें नेता मान चुके हैं लेकिन क्या मायावती और केजरीवाल राजस्थान में पायलट को नेता मानने को तैयार हैं ? इन सभी सवालों के जवाब फिलहाल भविष्य के गर्भ में ही छिपे हुए हैं।

सोनभद्र में सपा ने घोषित किए सात निकायों से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार

सोनभद्र। यूपी नगर निकाय चुनाव में टिकट को लेकर मची खींचतान के बीच बुधवार को समाजवादी पार्टी ने पत्ते खोल दिए। नगर पालिका सोनभद्र सहित जिले की सात निकायों के लिए पार्टी ने प्रत्याशी घोषित किया है। टिकट मिलते ही उम्मीदवारों के समर्थकों में खुशी छा गई है। वह जोर-शोर से नामांकन की तैयारियों में जुट गए हैं। सूची में शामिल कई नाम चौंकाने वाले भी हैं। सीमा विस्तार के बाद नगर पालिका में शामिल हुए बढ़ौली ग्राम पंचायत के निवर्तमान प्रधान श्रीप्रकाश सोनकर की पत्नी उषा सोनकर को सपा ने नगर पालिका के लिए अध्यक्ष का उम्मीदवार घोषित किया है। गत 31 मार्च को ही ग्राम प्रधान का अधिकार खत्म हुआ था। इसके तुरंत बाद निकाय चुनाव में अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित सीट पर पार्टी ने श्रीप्रकाश की पत्नी पर भरोसा जताया है।

उधर, जिले की सबसे बड़ी निकाय बनी अनपरा नगर पंचायत से सपा ने प्रशांत सिंह को प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी की युवा इकाई में सक्रिय रहे प्रशांत सिंह नवसृजित नगर पंचायत अनपरा की अनारक्षित सीट से ताल ठोकेंगे। अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित ओबरा नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए चांदनी को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित नवसृजित डाला बाजार नगर पंचायत से कु. फूलवंती सपा उम्मीदवार होंगी। चुर्क-घुर्मा नगर पंचायत से पार्टी के जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी की पत्नी शमा परवीन प्रत्याशी होंगी। यह सीट ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। वहीं अनारक्षित घोरावल नगर पंचायत से रमेश चंद्र पांडेय और रेणुकूट से अमरेंद्र सिंह पटेल सपा के उम्मीदवार बनाए गए हैं। पार्टी ने पिपरी, दुद्धी और चोपन नगर पंचायत पर प्रत्याशी के नाम घोषित नहीं किया है। जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की अनुमति से निकाय चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। अन्य सीटों पर भी शीघ्र नाम तय कर लिया जाएगा।

मस्जिद के पास व्याप्त गन्दगी से ग्रामीणों में आक्रोश

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम मुर्की में मस्जिद से लगभग पचास मीटर की दूरी पर लगी गन्दगी के अम्बार की साफ सफाई नही होने से ग्रामीणों में आक्रोश साफ नजर आ रहा है। गौरतलब है कि माहे

रमजान के मद्देनजर मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों द्वारा उसी रास्ते से मस्जिद में जाकर नमाज अदा किया जाता है।

गन्दगी की सफाई के लिये जब ग्राम प्रधान सादिक अहमद ने सफाई कर्मियों को विगत पंद्रह तारीख को गाँव मे बुलाया तो सफाई कर्मी मस्जिद के पास लगे कूड़े के ढ़ेर के पास खड़े होकर फोटो खिंचवा कर चले गये। सफाईकर्मियों को बगैर कूड़ा साफ किये जाता देख प्रधान ने जब पूछा तो बाद में सफाई करने का बहाना बनाकर चलते बने।वही मो सादिक ने बताया कि गांव के बीचों बीच लगे कूड़े के अंबार से आस पास के लोगो को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आज अलविदा रोजे की नवाज है मगर आलम तो देखिए कचरे का ढेर आज भी टीले की तरह पड़ा हुआ है। वही मस्जिद समेत गांव में कई जगह गन्दगी का अम्बार लगा है। मस्जिद के पास लगे कूड़े के ढ़ेर से गाँव के नमाजी खासे परेशान हैं।गांवो की साफ सफाई के लिए बकायदा सफाई कर्मी नियुक्त किये जाते है बाबजूद इसके भी गांवो में कचरे का अंबार लगा हुआ है यह एक सोचनीय विषय है बहरहाल कब और कैसे कचरे को हटाया जायेगा ये तो जिम्मेदार ही तय करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

सपा प्रत्याशी दिनेश यादव के समर्थन में शरीफ ने लिया पर्चा वापस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज गुरुवार को नगर निकाय चुनाव में पर्चा वापसी के दिन नगरपालिका परिषद गाजीपुर के अध्यक्ष पद के निर्दलीय प्रत्याशी शरीफ राईनी ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी दिनेश यादव के समर्थन में अपना नाम वापस ले लिया। शरीफ राईनी बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वह लगातार पांच बार बहुजन समाज पार्टी के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे हैं। इस बार बहुजन समाज पार्टी ने उनके स्थान पर सुभाष चौहान को अपना प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के इस फैसले से क्षुब्ध होकर उन्होंने निर्दल प्रत्याशी के तौर पर अपना पर्चा दाखिल किया था। जिसे आज उन्होंने वापस ले लिया। नामांकन पत्र वापसी करते समय उन्होंने कहा कि नगरपालिका गाजीपुर में भाजपा के वर्चस्व, भ्रष्टाचार और भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों के खिलाफ समाजवादी पार्टी को समर्थन दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश भाजपा की तानाशाही नीतियों के चलते खौफ के साये में है ।समाजवादी पार्टी ही इस प्रदेश का भला कर सकती है। नाम वापसी के वक्त न्यायालय सदर एसडीएम के कक्ष में शरीफ राईनी के साथ उनके अधिवक्ता कैलाश जी, समाजवादी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, सदर विधानसभा अध्यक्ष तहसीन अहमद, जिला सचिव आमिर अली और डॉ समीर सिंह आदि उपस्थित थे।

पी.जी. कॉलेज में प्रवेश के लिए 21 अप्रैल से भरे जाएंगे ऑनलाइन फार्म

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सभी विषयों में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन फार्म 21 अप्रैल 23 से भरे जाएंगे। यह सूचना देते हुए प्राचार्य डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि महाविद्यालय में आगामी सत्रः 2023-24 में प्रवेश लेने के लिए प्रतीक्षारत छात्र- छात्रायें अपना प्रवेश परीक्षा आवेदन फार्म स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर की वेबसाइट पर लाग इन कर 21 अप्रैल से भर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा फार्म भरने हेतु बेवसाइट 21 अप्रैल 2023 से 20 जून 2023 तक खुली रहेगी। प्रोफेसर पाण्डेय ने बताया कि छात्र-छात्राएं चयनित विषय में एडमिशन लेने के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा फार्म भरने के उपरांत प्रवेश परीक्षा हेतु परीक्षा शुल्क भी कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से ही आनलाईन जमा करेंगें। आनलाईन आवेदन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी महाविद्यालय में जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं रहेगी। छात्र छत्राओं को ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने में किसी भी तरह की तकनीकी समस्या की दशा में समस्या समाधान हेतु कार्यालय अवधि में महाविद्यालय कार्यालय में आकर या वेबसाइट पर दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड, प्रवेश परीक्षा तिथि, प्रवेश परीक्षा परिणाम, काउन्सलिंग आदि सूचनाएं आवश्यकतानुसार समय - समय पर महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएंगी।

डाकघर का सिस्टम खराब, ग्राहकों में आक्रोश

पिंडरा। पिंडरा स्थित डाकघर में लगे कंप्यूटर सिस्टम में खराबी आने से किसी भी प्रकार के कार्य न होने से ग्राहकों को बैरंग लौटना पड़ा। जिससे उनमें आक्रोश दिखा। बताते है कि गत दो दिनों से उक्त खराबी के चलते किसी भी प्रकार का लेनदेन व खाता तक नही खुल पा रहे हैं। केवल रजिस्ट्री के कार्य हो पा रहे हैं। गुरुवार को डाकघर पहुचे देवराई निवासी अनिरूद्ध वर्मा ने बताया कि नया खाता खुलवाने थे लेकिन सिस्टम में खराबी होने के कारण बैरंग लौटना पड़ा। गत दो दिनों से दर्जनों ग्राहक लौट रहे हैं। जिससे उनमें आक्रोश दिखा। इस बाबत पोस्ट मास्टर अजय यादव ने बताया कि इसकी सूचना विभाग के अधिकारियों को दे दी गई है।

सेल्फी प्वाइंट के साथ ही महिलाओं के लिए बनेगा पिंक बूथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 में हर निकाय में एक पूर्णता महिलाओं द्वारा संचालित लिंक मतदान स्थल बनाया जाएगा। जिसमें मतदान कार्मिक से लेकर सुरक्षाकर्मी तक पूर्णता महिलाएं ही रहेंगी। पोलिंग बूथ पर महिलाएं किसी भी रंग के कपड़े पहनकर मतदान कर सकती हैं बूथ पर किसी भी विवादित रंग का प्रयोग नहीं किया जाएगा। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी है। यह बताया मतदान प्रकोष्ठ में मतपेटी को अविवादित रंग जैसे सफेद अथवा ग्रे रंग के कपड़े अथवा कार्डबोर्ड का घेरा बनाया जाएगा। मतदान स्थल के अंदर सेल्फी प्वाइंट की व्यवस्था के साथ ही महिला मतदाता अपने बच्चों को दुग्ध पान करा सकें इसके लिए आंचल केंद्र भी स्थापित किए जाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के बैठने के लिए कुर्सी आदि की व्यवस्था की जाएगी। पिंक बूथ का निर्माण मत देय स्थल निर्माण हेतु आयोग द्वारा निर्धारित मानक के अंतर्गत किया जाएगा। मालूम हो की गाजीपुर की तीन नगरपालिकाओं और पांच नगर पंचायतों के लिए 4 मई को मतदान होना है जिसकी मतगणना 13 मई को होगी।

पुलिस ने 24 घंटे में किया हत्यारोपी को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों व वांछित अभियुक्तो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 19 अप्रैल को पंजीकृत धारा 302 भादवि थाना भांवरकोल बनाम हरिनाथ यादव पुत्र स्व0 राजदेव यादव निवासी ग्राम धरमपुरा थाना भाँवरकोल जनपद गाजीपुर में अभियक्त को अन्दर 24 घन्टे प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय मय हमराह बैंक मोड़ मिजार्बाद के पास करीब 3.45 बजे गिरफ्तार किया गया एंव अभियुक्त की निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त 01 अदद कुल्हाड़ी आला कत्ल बरामद किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय थाना भांवरकोल, कांस्टेबल देवेन्द्र कुमार यादव थाना भांवरकोल, कांस्टेबलअम्बुज मिश्र थाना भांवरकोल, कांस्टेबल शुभम सिंह थाना भावारकोल, कांस्टेबल पंकज सिंह थाना भावारकोल, महिला कांस्टेबल प्रियंका राव थाना भांवरकोल, महिला कांस्टेबल शालू सिंह थाना भांवरकोल गाजीपुर शामिल रहे।

नये समाज की संरचना में स्काउट गाइड की भूमिका अहम : डा. विजय नारायण

नगरा, बलिया। श्रीनरहेजी पीजी कालेज नरहीं में बीएड तृतीय सेमेस्टर के छात्रों का पांच दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन बुधवार को वनोपवेशन कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान प्रशिक्षक आनंद कुमार यादव ने छात्रों को आकस्मिक दुर्घटना के समय प्राथमिक चिकित्सा, आग से बचाव आदि के विषय मे विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि शिक्षाविद् व नरहेजी शिक्षण संस्थान के सचिव डा. विजय नारायण सिंह ने कहा कि नए समाज की संरचना में स्काउट गाइड की अहम भूमिका है।

स्काउट गाइड किसी भी आपात स्थिति मे लोगों की सहायता कर सकते हैं। अच्छी नागरिकता का विकास करना ही स्काउट गाइड का मुख्य उद्देश्य है। कहा कि स्काउट गाइड एक आंदोलन है जिसमें बच्चों से बडों तक के उच्च कोटि की नैतिकता व योग्यता का विकास किया जाता है।

वैक्सीन के बेहतर मैनेजमेंट के लिए सम्मानित हुए डॉ. एस के मिश्रा एवं प्रवीण उपाध्याय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत ई विन प्रशिक्षण कार्यशाला लखनऊ में यूएनडीपी के सहयोग से 17 से 20 अप्रैल तक किया गया। इस कार्यशाला में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सुजीत कुमार मिश्रा ने प्रतिभाग किया जिसमें विभिन्न पर विस्तार से अभिमुखीकरण प्रदान किया गया। साथ ही इस कार्यशाला में यूएनडीपी के प्रवीण उपाध्याय भी शामिल रहे। वर्कशॉप में वैक्सीन मैनेजमेंट एवं कोबिड बीमारी प्रबंधन एवं वैक्सीन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जनपद के अधिकारी भी शामिल रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एमडी एनएचएम अपर्णा के द्वारा किया गया। इस दौरान उनके द्वारा बेहतर कार्य करने वाले जिले के प्रबंधकों को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया गया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सुजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि

नियमित टीकाकरण को लेकर वैक्सीन की मैनेजमेंट किए जाने के साथ ही इन दिनों बढ़ रहे कोविड-19 के मामले को देखते हुए लखनऊ में वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। जहां पर एनएचएम एमडी अपर्णा के द्वारा कई तरह के निर्देश दिए गए। इस दौरान बेहतर मैनेजमेंट को लेकर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एस के मिश्रा एवं प्रवीण उपाध्याय को मोमेंटो देकर

सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डीजी वेलफेयर डॉ रेनू श्रीवास्तव, एडी प्रतिरक्षण डॉ संदीप श्रीवास्तव, डॉ अजय गुप्ता, जीएमआरआई डॉ मनोज शुक्ला और यूएनडीपी के अधिकारी मौजूद रहे।

सनबीम स्कूल राबट्र्सगंज की श्वेता यादव हुई लखनऊ में बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड से सम्मानित

सोनभद्र। जिला मुख्यालय स्थित जनपद में शिक्षा जगत में अपना परचम लहरा चुका सनबीम स्कूल शिक्षा क्षेत्र में एक और उपलब्धि अपने नाम करते हुए जिले का नाम राजधानी में रौशन किया। प्रदेश के बेस्ट 100 स्कूलों में तेज तर्रार प्रधानाचार्य श्रीमती स्वेता यादव को बेस्ट 100 प्रधानाचार्यो में खिताब मिला। बताते चलें की शैक्षिक उत्कृष्टता में अग्रणी सनबीम की श्रीमती श्वेता यादव, प्रिंसिपल, सनबीम स्कूल रॉबट्र्सगंज को एजुकेशन एक्सीलेंस कॉन्क्लेव, लखनऊ द्वारा 100 टॉप प्रिंसिपलो मे सम्मानित किया गया है। विभिन्न विषयों पर गोलमेज चर्चा के दौरान भी श्वेता यादव ने 'सबसे प्रभावी वक्ता के रूप अपने विचारों को रख कर वहां पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशकगण ने कहा कि यह विद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि स्कूल को देश के100 अच्छे स्कूलों में शामिल किया

गया है।स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती श्वेता यादव बेस्ट 100 प्रिंसिपलो में शामिल किया गया। हमारा विद्यालय हमेशा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। 16 अप्रैल को एक उपदेश मीडिया द्वारा एजुकेशन एक्ससेलेन्स कॉन्क्लेव का आयोजन लखनऊ शहर के निराला नगर में दरगनंत होटल में किया गया। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य प्रदेश के बेस्ट डायरेक्टर और प्रधानाचार्य का चयन कर-के उन्हें सम्मानित करना था। इसके लिए तीन महीने पहले विद्यालय और प्रधानाचार्य को ऑनलाइन रेजिस्टर करना था जिसके बाद बेस्ट स्कूल बेस्ट प्रशासक या प्रधानाचार्य के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई। स्कूल की प्रधानाचार्या श्वेता यादव ने कहा कि मेरा एक ही मकसद है कि सनबीम स्कूल राबर्टसगंज को शिक्षा के क्षेत्र में बुलंदियों तक पहुंचाना। इस उपलब्धि से अभिभावकों और बच्चों में भी खुशी की लहर दौड़ गई।

डीएम ने कराई कचनरवा गांव में वितरित आर0ओ0 किट के प्रयोग का भौतिक सत्यापन

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बुधवार को बताया कि कोन ब्लाक के कचनरवा गांव में वितरित की गयी आर0ओ0 किट का भौतिक सत्यापन ए0डी0ओ0 पंचायत के माध्यम से कराया गया। कचनरवा गांव में लगभग 33 लोगों को आर0ओ0 किट का वितरण किया गया था, जिसमें से 25 परिवारों के लोग आर0ओ0 रिमूवल किट का नियमित रूप से प्रयोग कर रहे हैं और उससे लाभान्वित हो रहे हैं। इनमें से 8 परिवार के लोगों द्वारा आर0ओ0 किट का प्रयोग नहीं किया जा रहा था, उन्हें भी रिमूवल किट के प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया और इससे होने वाले लाभ के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस दौरान लोगों को बताया गया कि नियमित रूप से पानी की गुणवत्ता को परखें, ताकि पीने वाले पानी में गंदगी न रहें और नागरिकगण स्वस्थ्य रहें साथ ही उसका मरम्मत इत्यादि का कार्य समय से कराया जाये।

पुलिस के हत्थे चढ़े दो शातिर चोर

सैयदराजा। चंदौली । स्थानीय थाना अंतर्गत काले खां मजार के पास चोरी के पैसों की बटवारा करते समय दो शातिर चोरों को पुलिस पकड़ कर थाने लायी । जिनके पास से पुलिस ने 2 लाख 34 हजार रुपए बरामद किया । वहीं पुलिस द्वारा पुछताछ करने पर मालूम हुआ कि विगत दिनों मनराजपुर गांव में हुई लाखो की चोरी में संलिप्त रहे । बताया जा रहा है कि विगत दिनों ककरही मनराजपुर गांव निवासी श्यामसुंदर यादव के घर चोरी हुई थी। जिस घटना का मुकदमा सैयदराजा थाने पर दर्ज था। स्थानीय पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना दिया गया कि काले खां मजार के पास शातिर चोर पैसे की बटवारा कर है । मौके पर पहुंची पुलिस ने दो शातिर चोरों को पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्तों में गोलू यादव पुत्र उदयनारायण यादव और राजू यादव पुत्र मन्ना यादव निवासी मनराजपुर है। वहीं पुलिस पकड़े गए अभियुक्तों के खिलाफ अगली कार्यवाही में लग गयी।

जौनपुर में सट्टेबाजी के अड्डे से सरगना समेत सात गिरफ्तार, कई राज्यों से जुड़े हैं तार

जौनपुर। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में सट्टेबाजी का भंडाफोड़ करते हुए जौनपुर पुलिस ने अशोक टॉकीज के मैदान में सट्टेबाज गिरोह के सरगना समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें कई रईसजादे हैं। उनके कब्जे से रजिस्टर, पर्ची, 11 मोबाइल, नकद व दो लग्जरी वाहन बरामद हुए। इस सट्टाबाजी गिरोह के तार दूसरे राज्यों से जुड़े हैं। पुलिस सटोरियों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है। इस वर्ष आईपीएल शुरू होने के बाद लगातार बड़े पैमाने पर सट्टेबाजी की जानकारी पुलिस को मिल रही थी।शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रो में सट्टेबाजी का खेल चल रहा है। कोई इसमें रुपये जीत रहा है तो कोई हार भी रहा है। फिर भी लोगों पर इसका नशा चढ़ा है कि हारने के बाद भी लोग दांव लगाना नहीं छोड़ रहे हैं। बुधवार को जौनपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह, चौकी प्रभारी, सिपाही अरविंद कुमार यादव, आफताब आलम, तारकेश्वर राय को मुखबिर से आईपीएल में सट्टेबाजी की सूचना मिली। जानकारी मिली कि कुछ लोग अशोक टॉकीज मैदान में सट्टा लगा रहे हैं। वे लोग मोबाइल के माध्यम से कोड व पासवर्ड प्राप्त कर वॉलेट से पैसों का हेरफेर किया जा रहा है। साथ ही रजिस्टर में कुछ लिखा जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने अशोक टॉकीज के मैदान में छापा मारा। मौके से सात आरोपियों को मोबाइल, रजिस्टर, 19 सट्टा पर्ची, 39 हजार 950 रुपये, दो लग्जरी एमजी हेक्टर गाड़ी के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में किशन जायसवाल निवासी उर्दू बाजार थाना कोतवाली, शीतल कुमार निवासी अबीरगढ कोतवाली, रूपचंद्र सोनकर निवासी चकप्यारअली थाना कोतवाली, श्रीप्रकाश यादव निवासी रसूलाबाद कोतवाली, राजकुमार सोनी निवासी उर्दू बाजार थाना कोतवाली, अबू राफे उर्फ शिबू निवासी मियांपुर थाना लाइन बाजार, अशफाफ अहमद निवासी रौजा जमाल थाना कोतवाली है।

जिलाधिकारी ने ईद को लेकर की जिला शांति समति की बैठक

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की। बैठक का उद्देश्य जिला प्रशासन के सहयोग से ईद के त्योहार को भाई चारे के साथ मनाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बलिया में बिशुनीपुर जामा मस्जिद में व्यवस्था अभी से कर ली जाए। सभी ईओ साफ सफाई की पूरी व्यवस्था रखे। किसी प्रकार की गंदगी न देखने को मिले। खासतौर पर मस्जिदों के आस पास साफ सफाई की व्यवस्था रखी जाए। क्योंकि गर्मी का मौसम है इसलिए साथ मे पानी की भी व्यवस्था रहे। डीपीआरओ को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ईद के दिन पूरी व्यवस्था रखे। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन का निर्देश है कि सड़क पर नमाज न पढ़ी जाए। आप लोगो को जिस भी चीज की आवश्यकता है तो प्रशासन को अवगत कराएं। अफवाहों से बचे। यदि कोई परेशानी आती है तो पुलिस प्रशासन को अवगत कराएं।

आप लोगो से अपील है कि त्योहार को भाई चारे से मनाए। पुलिस अधीक्षक राज करन नैयर ने कहा कि आगामी अलविदा की नमाज के इस बैठक में आप सभी से अनुरोध है कि पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिला कर पर्व को मनाये। शांति समिति की बैठक का उद्देश्य लोगो को संदेश देना है कि आपसी भाईचारा बनाये रखे।यदि कोई कानून हाथ मे लेता है हो कार्यवाही होना तय है। आप लोग युवाओं को सचेत करे कि हुडंग न करे। लाउडस्पीकर तेज न रखे। मानक जे ज्यादा आवाज न रखे। ईद के दिन यातायात के नियमो का पालन करे। पुलिस प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। तनाव उत्पन्न करने वाले के खिलाफ कार्यवाही होगी। सभी थानों में शांति समिति की बैठक की जा चुकी है। पुलिस प्रशासन आप के साथ है पूरा प्रयास रहेगा ईद के दिन को अनहोनी न हो।

शांति समिति के लोगो ने भी अपनी समस्या जिलाधिकारी के सामने रखी। समिति के लोगो ने कहा कि चुनाव और ईद को देखते हुए पुलिस की व्यवस्था बढ़ा दी जाए। ईद प्रेम और सौहार्द का पर्व है। इसे आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए जिला शांति समिति के सदस्यों में वरिष्ठ समाजसेवी हाजी अफसर आलम बहेरी ग्राम सभा के प्रधान शगीर खान उर्फ टेगरी परवन्दापुर के ग्राम प्रधान जलालुद्दीन उर्फ जेडी सिकंदरपुर क्षेत्र के बबलू मास्टर जामा मस्जिद विशुनीपुर के इमाम अशरफ रजा समाजसेवी मकसूद खान बहेरी असगर अली वरीष्ट पत्रकार शमशाद कुरैशी सभासाद इसके अलावा क्षेत्राधिकारी नगर क्षेत्राधिकारी सदर फूड विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर वेद प्रकाश मिश्रा अधिशासी अधिकारी चितबड़ागाँव अनिल कुमार अधिशासी अधिकारी बृजेश गुप्ता अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बलिया सत्य प्रकाश सिंह नगरपालिका परिषद रसड़ा एके उपाध्याय अधिशासी अधिकारी बैरिया आशुतोष ओझा सभी खंड विकास अधिकारी बिजली विभाग के अधिकारी बैठक में शांति समिति के सदस्यगण भी उपस्थित थे।

गर्मियों में पीएं गुणकारी देशी शीतल पेय

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। अप्रैल के महीने में ही तापमान इतनी तेजी से बढ़ रहा है जिससे लोग बेहाल हो रहे हैं। तापमान के बढ़ने के साथ ही कुछ दिनों में लू भी चलने लगेगी। लू चलने के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इस बढ़ती गर्मी में लू से बचे रहने के लिए देशी शीतलक पेय आपकी मदद कर सकते हैं। यह देशी शीतल पेय पेट को ठंडा रखने के साथ-साथ जरूरी पोषक तत्वों की पूर्तिकर डिहाइड्रेशन से बचाते हैं।

गर्मी और डिहाइड्रेशन से होने वाली परेशानियां

जैसे जैसे बाहर का तापमान बढ़ता है वैसे वैसे शरीर में बदलाव आने लगते हैं। कम पानी या तरल पीने से शरीर में पानी और जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होती है तो पेट की समस्या भी परेशान करने लगती है ऐसे में कुछ देसी शीतल पेय पीने से एनर्जी तो मिलती है और पेट भी ठंडा रहता है। लू की वजह से शरीर में ड्राईनेस आने लगती है और स्किन पर लाल चकत्ते भी पड़ने लगते हैं। सिर दर्द, कमजोरी, बेहोशी और कुछ गंभीर मामलों में ऑर्गन फेल लू लगने के लक्षण है। गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन, एसिडिटी, जी मिचलाना, अपच जैसी समस्याएं भी हो सकती है, इससे बचने के लिए अपने शरीर को ठंडा रखें और तरल पदार्थ जरूरी मात्रा में पीते रहे जिससे शरीर को एनर्जी मिले और जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति होती रहे।

एनडीएमसी के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी

डाक्टर की सलाह

डॉ. अनिल बंसल ने बताया कि तेज गर्मी में बाहर निकलने से व्यक्ति को पसीना आता है। पसीना बहुत अधिक मात्रा में आने से शरीर में सोडियम और पौटेशियम की कमी हो जाती है। अगर किसी के शरीर में बहुत अधिक मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम और पौटेशियम) की कमी हो जाए तो व्यक्ति बेहोश हो सकता है कोमा में भी जा सकता है। स्थिति गंभीर होने पर जान भी जा सकती है। गर्मी और लू के प्रकोप से बचने के लिए तेज धूप में बाहर जाने से बचें, अगर जाना आवश्यक है तो खुद को कवर करके ही निकलें। सादा पानी पीने से अच्छा होगा कि पानी में नमक, चीनी ,नीबू मिलाकर पीएं। बाहर के पेय पीने से बचें और घर से पेय बनाकर अपने साथ ले जाएं। देशी पेय सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

बेल का शरबत

गर्मियों में बेल का शरबत पीना सेहत के लिहाज से काफी अच्छा होता है। बेल की तासीर ठंडी होती है जिस वजह से यह गर्मी से बचाता है और पेट को भी ठंडा करता है। बेल के शरबत से एनर्जी मिलती है जो आपको गर्मी के कारण होने वाली कमजोरी से बचाता है, बेल में आयरन फाइबर, प्रोटीन, विटामिन सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

सत्तू का शरबत

सत्तू की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मी में इसका सेवन करना अच्छा माना जाता है। इसका सेवन करने से लू और डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है। सत्तू का शरबत पेट को ठंडा रहता है। सत्तू के सेवन से शरीर में तुरंत एनर्जी आ जाती है और ये काफी हेल्दी भी होता है।

नारियल पानी

गर्मियों के लिए नारियल पानी किसी अमृत से कम नही है। नारियल पानी पीने से शरीर की गर्मी दूर होती है और पेट भी ठंडा रहता है। इसे पीने से तुरन्त एनर्जी मिलती है और सुस्ती दूर भगाने में मदद मिलती है। नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट से भरपूर होता है जो डिहाइड्रेशन से बचाता है।

छाछ : छाछ भी गर्मियों के लिए एक बहुत ही लाभदायक देशी ड्रिंक है। ये शरीर का तापमान काबू रखने में मदद करता है और इससे पेट भी ठीक रहता है। दही से बने होने के कारण इसमें प्रोटीन कैल्शियम विटामिन डी12 भी पाया जाता है।

गन्ने का रस : गर्मियों में पेट को ठंडा रखना है तो डाइजेशन की प्रक्रिया को सही रखना पड़ता है, इसके लिए आप गन्ने का जूस पी सकते है। गन्ने का जूस गर्मी में तुरंत राहत देता है और पेट की गर्मी के असर से मुक्त करता है और डाइजेशन की प्रक्रिया को भी सही बनाता है। गन्ने के जूस में पोटेशियम, आयरन और मैग्नीशियम भरपूर मात्र में पाश जाता है।

शिकंजी

गर्मी के दिनों की सबसे आसान और पौष्टिक देशी शीतल पेय की बात की जाए तो नीबू की शिकंजी का नाम सबसे पहले आता है। यह पेय शरीर को शीतलता देने के साथ उर्जा भी देता है और पेट की बीमारियों मे भी फायदा पहुंचाता है। यह विटामिन सी का भी अच्छा स्त्रोत है।

आम का पन्ना

आम का पन्ना लू बचाता है।

लस्सी

लस्सी गर्मी से बचाती ही है साथ ही यह पाचन तंत्र को भी दुरूस्त रखती है। लस्सी में प्रोटीन कैल्शियम विटामिन डी पाया जाता है।

जलजीरा

जलजीरा लू लगने से बचाता है और पाचन तंत्र को भी ठीक रखता है।

पुदीने का शरबत

पुदीने का शरबत लू लगने से बचाता है। यह बुखार, उल्टी और गैस जैसी तकलीफ से भी राहत देता है।

■ प्रभा किरण

हनुमान टिटहरी को 86 साल बाद प्रजाति के रूप में जगह मिली

नई दिल्ली (भाषा)। भारत और श्रीलंका में पाई जाने वाली टिटहरी (हनुमान प्लोवर) को 86 साल बाद एक बार फिर से प्रजाति का दर्जा बहाल किया गया है और शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि यह कदम जोखिम वाले पर्यावासों को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। हिन्दुओं के देवता, हनुमान- के नाम वाली और रोबिन के आकार की इस पक्षी को 1930 के दशक में केंटिस प्लोवर (केंट की ऐसी ही एक पक्षी) के साथ रखा गया था, क्योंकि दोनों प्रजातियों को एक समान समझा जाता था। हालांकि, डीएनए अनुक्रमण के परिणामों ने वैज्ञानिकों को उन समूहों के बीच सूक्ष्म अंतरों की पुष्टि करने का आधार प्रदान किया है, जो उन्हें एक-दूसरे से अलग करने के लिए पर्याप्त हैं।

■ **शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि यह कदम जोखिम वाले पर्यावासों को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा**

■ **अध्ययन के सह-लेखक एलेक्स बॉण्ड ने कहा, इन पक्षियों के साथ एक नाम जुड़ जाने का मतलब है कि नीति निर्माताओं और राजनेताओं के लिए इन टिटहरियों को नोटिस करना और उनकी मदद के लिए आवश्यक कदम उठाना आसान होगा**

शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि प्रजाति को फिर से बहाल करने से संरक्षण निधि का इस्तेमाल क्षेत्र की सांकटग्रस्त आर्द्रभूमि को बचाने में मदद के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये पर्यावास अत्यधिक जैव विविधता वाले हैं और प्रवासी पक्षियों को अत्यधिक सर्दियों के दिन काटने वाले स्थल (ओवरविंटरिंग साइट्स) प्रदान करते हैं। एक प्रजाति में वैसी आबादी शामिल होती है, जो किसी अन्य प्रजाति के साथ सफलतापूर्वक अंतर्संकरण नहीं कर सकती है। एक उप-प्रजाति में एक प्रजाति के भीतर एक ऐसा समूह होता है, जो आमतौर पर भौगोलिक रूप से अन्य उप-प्रजातियों से अलग होता है।

इस अध्ययन के सह-लेखक एलेक्स बॉण्ड ने कहा, हालांकि हम नहीं जानते कि इस समय 'हनुमान प्लोवर' को खतरा है या नहीं, यह ऐसे क्षेत्र में रहता है जहां मानव जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है। बॉण्ड ब्रिटेन में प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय में क्यूरेटर के पद पर कार्यरत हैं। बॉण्ड ने एक बयान में कहा, इन पक्षियों के साथ एक नाम जुड़ जाने का मतलब है कि नीति निर्माताओं और राजनेताओं के लिए इन टिटहरियों को नोटिस करना और उनकी मदद के लिए आवश्यक कदम उठाना आसान होगा। उन्होंने पाया कि इन पक्षियों में 'केंटिश प्लोवर' की तुलना में छोटे पंख, पूंछ और चोंच होती है। इनके पंखों में भी अंतर होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यद्यपि 'केंटिश प्लोवर' के नर एवं मादा पक्षियों के पैर काले होते हैं, लेकिन हनुमान प्लोवर में गहरे भूरे रंग के पैर होते हैं। नर हनुमान प्लोवर के माथे पर एक काली पट्टी होती है

प्रियंका

ने हॉलीवुड में कैसे बनाई जगह जानिए उन्हीं की जुबान से

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस का कहना है कि हर कोई उनसे पूछता है कि उन्होंने हॉलीवुड में जगह कैसे बना ली और कोई अन्य भारतीय कलाकार यह क्यों नहीं कर पाया? उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है लेकिन उन्हें बस इतना पता है कि वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान कहा, लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं कि कोई और ऐसा क्यों नहीं कर पाया? भारत से किसी अन्य अभिनेता ने आपकी तरह लीक से हटकर जाने की क्यों नहीं सोची? मेरे पास इसका जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें बस इतना पता है कि उन्होंने क्या किया है वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं और शायद इसलिए ही वह आज इस मुकाम पर हैं। प्रियंका ओटीटी (ओवर द टॉप) मंच 'प्राइम वीडियो' के शो 'सिटाडेल' के अमेरिकी संस्करण के प्रीमियर के लिए भारत आईं थीं। प्रियंका के अलावा इसमें अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी मुख्य भूमिका में हैं। 'सिटाडेल' सीरीज के पहले दो धारावाहिक दुनियाभर में 28 अप्रैल को 'प्राइम वीडियो' पर 40 भाषाओं में प्रसारित किए जाएंगे।

अभिनेत्री ने कहा, मैं भारत से हूं और यहां मैं एक बड़ी कलाकार हूं और मेरे पास 20 लोगों की टीम है। मैं वहां (हॉलीवुड में) यह नहीं करती। मैं ऑडिशन देती हूं। मुझे कमरे में जाने और अपनी प्रतिभा दिखाने में कोई हिचक नहीं है। मैं काम से नहीं डरती।

मैं अपने अहम या गरूर को खुद पर हावी नहीं होने देती। प्रियंका ने 2012 में बतौर पर गायिका हॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। अदाकारा के गीत 'इन माई सिटी' और 'एक्ज़ोटिक' को काफी सराहा गया था। अदाकारा बाद में 2015 में 'एबीसी' की ड्रामा सीरीज 'क्वांटिको' में भी नजर आईं। वह एक अमेरिकी नेटवर्क की सीरीज में काम करने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री थीं। प्रियंका ने इसके बाद 2017 में अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'बेवॉच' की। हाल ही में वह 'द मैट्रिक्स रिसर्शन' में नजर आईं।

प्रियंका ने कहा कि चाहे बॉलीवुड हो या हॉलीवुड, काम करने का तरीका यही है कि पहले छोटे-छोटे किरदार निभाए जाएं और अपनी प्रतिभा साबित की जाए। उन्होंने कहा, "बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने के दौरान भी मैंने यही किया था... फिल्म जगत में ऐसे ही काम किया जाता है। मैं कड़ी मेहनत करने से नहीं कतराती। मैं दृढ़ता दिखाने से नहीं डरती... जब आप उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं और अपना काम देखते हैं तब आपको लगता है कि आपने फिर कर दिखाया।"

तेरे नाम के सीक्वल का निर्देशन करना चाहते थे सतीश कौशिक सलमान खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने बताया कि सतीश कौशिक ने निधन से पहले उनसे 'तेरे नाम' के सीक्वल को लेकर चर्चा की थी। सतीश कौशिक का हाल ही में निधन हो गया था। सतीश कौशिक ने सलमान को लेकर सुपरहिट फिल्म तेरे नाम निर्देशित की थी। सलमान ने बताया कि सतीश ने निधन से पहले उनसे 'तेरे नाम' के सीक्वल को लेकर चर्चा की थी। उन्होंने कहा था कि 'वह फिल्म 'तेरे नाम' के सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट लिखेंगे और उसका निर्देशन भी करेंगे। लेकिन अब वह हमारे बीच नहीं हैं। जिसका मुझे बेहद अफसोस है। सलमान ने बताया कि सतीश कौशिक ने उनसे 'तेरे नाम' के सीक्वल लिए एक प्लॉट पर चर्चा की थी और 20 साल बाद कहानी में क्या हुआ होगा? सतीश कौशिक ने सलमान से वादा किया था कि वह जल्द ही स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर देंगे। सलमान ने कहा कि वह फ्यूचर में कभी आगे 'तेरे नाम' के सीक्वल को बनाने पर जरूर सोचेंगे।

किसी का भाई किसी की जान का गाना 'लेट्स डांस छोटू मोटू' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आने वाली फिलम 'किसी का भाई किसी की जान' का गाना 'लेट्स डांस छोटू मोटू' रिलीज हो गया है। सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को लेकर चर्चा में हैं। 'किसी का भाई किसी की जान' का गाना 'लेट्स डांस छोटू मोटू' रिलीज हो गया है। सलमान खान, देवी श्री प्रसाद, नेहा भसीन, यो यो हनी सिंह की आवाज में यह गाना है। 'लेट्स डांस छोटू मोटू' गाने में सलमान के साथ पूजा हेगड़े सहित पूरी टीम ने जबरदस्त डांस किया है। हर किसी का डांस स्टेप देखने लायक है। सभी ने लुंगी पहनकर साउथ इंडियन लुक में धमाल मचा दिया है।

नॉन अल्कोहॉलिक फैटी लीवर भी है लीवर कैंसर व सिरोसिस की वजह

पटियाला (वार्ता)। पंजाब में पटियाला के मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ गुरबख्शीश सिंह सिद्धू सीनियर कंसलटेंट मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ने बुधवार को विश्व लिवर दिवस के अवसर पर बताया कि नान अल्कोहॉलिक फैटी लीवर से 20 प्रतिशत लीवर कैंसर व सिरोसिस होते हैं ।

■ **पटियाला के मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ गुरबख्शीश सिंह सिद्ध ने बताया**

डॉ. सिद्धू ने कहा कि विश्व लिवर दिवस को मनाने का मकसद लोगों को लीवर से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराना और उनके प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि लिवर शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, वहीं इसका कार्य भोजन को पचाना होता है। इसके अलावा लिवर पित्त बनाने के साथ-साथ शरीर से विषैले पदार्थ निकालने और बॉडी को डिटॉक्स करने के काम भी आता है। लिवर का काम ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने और प्रोटीन बनाने का भी होता है। ऐसे में लीवर का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है।

आयुष्मान खुराना लेकर आ रहे हैं रातां कलिया

मुंबई (वार्ता)। फिल्म निर्माता भूषण कुमार, अभिनेता आयुष्मान खुराना और संगीतकार रोचक कोहली की हिट म्यूजिकल जोड़ी नया गाना रातां कालियां लेकर आ रही है। भूषण कुमार,आयुष्मान खुराना और रोचक कोहली रोमांटिक सिंगल, रातां कालियां के लिए फिर से साथ आ रहे हैं, जिसे आयुष्मान खुराना ने गाया है, और रोचक कोहली द्वारा संगीतबद्ध किया गया है।

इस गाने को गुरप्रीत सैनी और गौतम जी शर्मा द्वारा लिखा गया है, उन्होंने भूषण कुमार के साथ मिलकर 'रातां कालियां'की सुंदर धुन तैयार की। भूषण कुमार ने कहा, आयुष्मान खुराना भारत के सर्वोत्कृष्ट अभिनेता-कलाकार हैं और हम सभी चाहते हैं कि वह अधिक ज्यादा से ज्यादा गाएं क्योंकि लोग उनके गीतों को पसंद करते हैं हम उसके साथ फिर से सहयोग करने के लिए रोमांचित हैं। रोचक कोहली एक ऐसे संगीतकार हैं, जिन्होंने हिट होने वाले रोमांटिक नंबरों में महारत हासिल की है। आयुष्मान के गायन और रोचक के संगीत ने हर बार एक साथ मिलकर जादू क्रिएट किया है और मुझे यकीन है कि वे इसके साथ भी चमत्कार करेंगे।

आदिपुरुष का 13 जून को ट्रिबेका फेस्टिवल में होगा वर्ल्ड प्रीमियर

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय स्टार प्रभास की आने वाली फिल्म आदिपुरुष का वर्ल्ड प्रीमियर 13 जून को न्यूयॉर्क में ट्रिबेका फेस्टिवल में होगा।

ओम राउत निर्देशित फिल्म आदिपुरूष में प्रभास, कृति सैनन, सैफ अली खान और सनी सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई है। न्यूयॉर्क में ट्रिबेका फेस्टिवल में आदिपुरूष का वर्ल्ड प्रीमियर 13 जून को होगा, जबकि यह फेस्टिवल 07 से 18 जून तक चलेगा। यह फिल्म दुनिया भर में 16 जून को रिलीज होगी। आदिपुरुष टी-सीरीज के भूषण कुमार और कृष्ण कुमार, ओम राउत, प्रसाद सुतार और रेट्रोफाइल्स के राजेश नायर द्वारा निर्मित है। फिल्म के निर्देशक ओम राउत ने कहा, आदिपुरूष एक फिल्म नहीं पर एक भाव है। एक ऐसी कहानी के लिए हमारा नजरिया है जो भारत की भावना के साथ जुड़ा है।

राणा नायडू के सीजन 2 की तैयारी में जुटा

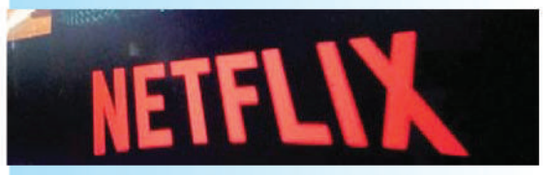

मुंबई (आईएएनएस)। अमेरिकी टीवी शो रे डोनोवन का रीमेक राणा नायडू के दूसरे सीजन के लिए नेटफ्लिक्स तैयारी कर रहा है। सीरीज को आगे बढ़ाने के बारे में बात करते हुए, नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज स्लेट पिछले कुछ सालों में अलग-अलग शैलियों में कई तरह की रोमांचक कहानियों के साथ लोगों का मनोरंजन करती रही है। राणा नायडू को लोगों ने काफी पसंद किया है।

थ्रिलर ने भारत और दुनिया भर में फैंस को अपनी ओर आर्कषित किया है। राणा नायडू में राणा और वेंकटेश दग्गुबती के अलावा सुरवीन चावला, सुशांत सिंह, अभिषेक बनर्जी, आशीष विद्यार्थी जैसे कलाकारों की परफॉर्मेंस की सराहना की गई। नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह हाई स्टेक फैमिली ड्रामा दूसरे सीजन में ज्यादा ट्विस्ट, टर्न और धमाकेदार एक्शन के साथ वापस आएगा। सीरीज के सीजन 2 के बारे में बात करते हुए, लोकोमोटिव ग्लोबल के निर्माता सुंदर आरोन ने कहा, राणा नायडू की ब्लॉकबस्टर सफलता मजबूत किरदारों, प्रामाणिक और शानदार कहानी का एक वसीयतनामा है। कलाकारों और क्रू ने नायडू की दुनिया को जीवंत करने के लिए अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है और हम रोमांचित हैं कि हर जगह दर्शकों को पात्रों और उनकी कहानी से जोड़ा गया है।

बचपन में पल्मोनरी टीबी से उबरने के बावजूद फेफड़े कमजोर होने का खतरा

नई दिल्ली (भाषा)। एक नए अध्ययन में पता चला है कि पांच साल या इससे कम उम्र के बच्चों को पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस (पीटीबी) होने पर उनके फेफड़े कमजोर होने तथा बाद में ऊंचाई और वजन न बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में शामिल अमेरिका के 'बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के वैज्ञानिकों का कहना है कि पीटीबी प्रभावित बच्चों के लिए उपचार मौजूद हैं, लेकिन किसी भी अध्ययन में इस बीमारी से उबरने के बाद बच्चों के स्वास्थ्य पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। यह अध्ययन 'अमेरिकन जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन' में प्रकाशित किया गया है।

■ **'अमेरिकन जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन में दावा**

इस अध्ययन के लिए अध्ययन के प्रमुख लेखक लियोनार्डो मार्टिनेज और केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका स्थित रेड क्रॉस वॉर मेमोरियल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, केप टाउन विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के सहयोगियों ने 1,068 बच्चों के स्वास्थ्य पर उनके जन्म से लेकर उनके नौ साल की उम्र के होने तक लगातार नजर रखी। शोधकर्ताओं ने पाया कि अध्ययन में जिन बच्चों को एक साल की उम्र से पहले टीबी हो गई थी, उनका वजन तथा उनका बीएमआई (बॉडी मास इन्डेक्स) पांच साल की उम्र तक सामान्य से कम था। बॉडी मास इंडेक्स, एक माप है, जिसमें किसी व्यक्ति के वजन और उसकी लंबाई के आधार पर दुबलेपन व मोटापे को मापा जाता है।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जिन बच्चों को एक साल से चार साल की उम्र के बीच पीटीबी हुआ था, उनकी लंबाई उनकी उम्र को देखते हुए कम थी। उन्होंने यह भी पाया कि पीटीबी वाले बच्चों को इससे उबरने के बाद बोलते समय घरघराहट होने का अधिक खतरा होता है। जिन बच्चों को छह महीने की उम्र से पहले पीटीबी हुआ, उनमें सामान्य बच्चों की तुलना में छह महीने के बाद, बोलने में घरघराहट का जोखिम दोगुना से अधिक पाया गया। अध्ययन के अनुसार, 12 महीने, 24 महीने या 36 महीने के होने से पहले अगर बच्चों को पीटीबी होता है तो उनमें बोलते समय घरघराहट होने का खतरा भी बढ़ जाता है। टीम ने यह भी पाया कि पीटीबी अपने तीव्र संक्रमण और बीमारी के बाद फेफड़ों की कार्यप्रणाली को कमजोर कर देता है।

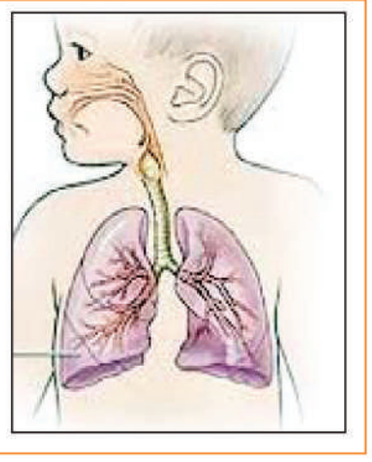

खबर संक्षेप

सोने में 510 रु. की गिरावट चांदी 920 रुपए टूटी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 510 रुपये की गिरावट के साथ 59,940 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

विनिर्माण क्षमता बढ़ाने निवेश करेगी फिनोलेक्स केबल्स

मुंबई। देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक और दूरसंचार केबल कंपनी फिनोलेक्स केबल्स ने चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 में अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए 200 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि वह पुणे के पास अपने उर्स संयंत्र की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए अगले कुछ माह में 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

ब्रिटेन में मुद्रास्फीति लगातार सातवें महीने 10 % से ऊपर

लंदन। खाने-पीने का सामान महंगा होने से ब्रिटेन में मुद्रास्फीति मार्च में लगातार सातवें महीने 10 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। देश में खाद्य वस्तुओं के दाम पिछले महीने 45 साल में सबसे तेज रफ्तार से बढ़े हैं। देश में जीवनयापन का संकट पैदा हो गया है जिसके चलते सरकारी कर्मचारी सरकार के खिलाफ हड़ताल कर रहे हैं।

रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.22 प्रति अमेरिकी डॉलर

मुंबई। विदेशों में डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.22 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती के कारण भी रुपये में गिरावट आई।

मैनकाइंड फार्मा के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। दवा कंपनी मैनकाइंड फार्मा ने अपने 4,326 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 1,026-1,080 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी का तीन दिन का आईपीओ 25 अप्रैल को खुलकर 27 अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशक 24 अप्रैल को शेयरों के लिए बोलियां लगा सकेंगे।

एयू स्मॉल फाइनेंस को विदेशी मुद्रा कारोबार की अनुमति

नई दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से विदेशी मुद्रा विनिमय कारोबार की अनुमति मिल गई है। बैंक ने बुधवार को दी गई एक नियामकीय सूचना में कहा कि आरबीआई ने 19 अप्रैल, 2023 को जारी अपने पत्र में विदेशी मुद्रा विनिमय के अधिकृत वितरक श्रेणी- प्रथम के तौर पर काम करने का लाइसेंस दे दिया है। इसके मुताबिक, आरबीआई से मिली यह अनुमति इस संबंध में लागू नियमों के अनुपालन पर निर्भर करेगी।

मेटा में एक बार फिर छंटनी की सुनामी, जाने वाली है दस हजार लोगों की नौकरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा इंक में एक बार फिर छंटनी की सुनामी देखने को मिल सकती है। इस बार तलवार कंपनी के अलग-अलग डिविजन में काम करने वाले करीब 10,000 कर्मचारियों पर लटकी हुई है। लेऑफ का नया दौर इसी सप्ताह शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

- नया दौर इसी सप्ताह शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स की मानें तो इस संबंध में कर्मचारियों को आज ही सूचित किए जाने की तैयारी की गई है। मेटा के नेतृत्व वाली फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप समेत अन्य कर्मचारी इससे प्रभावित होने वाले हैं। दुनिया पर बढ़ते मंदी के साये के बीच बड़ी-बड़ी कंपनियों में छंटनी का जो दौर बीते साल 2022 में शुरू हुआ था, वो अभी भी लगातार जारी है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के कर्मचारी होंगे प्रभावित

बीते साल निकाले थे 11,000 कर्मचारी

मेटा ने रेवेन्यू और विज्ञापन में कमी से जूझते हुए पिछले साल नवंबर 2022 में ही 11 हजार कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया था। इसकी जानकारी खुद मार्क जकरबर्ग ने दी थी। कंपनी ने लागत बढ़ने का हवाला देते हुए कर्मचारियों को निकालने की बात कही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेटा ने उस समय जिन लोगों को कंपनी से निकाला था, उन्हें चार महीने की अतिरिक्त सैलरी दी थी।

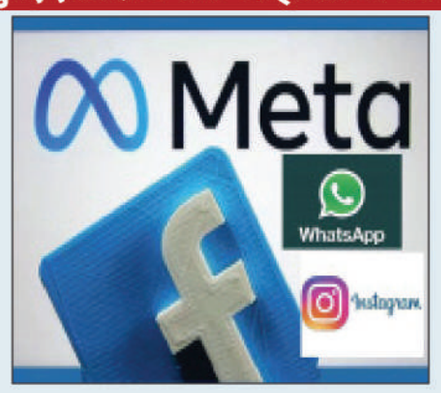

मैनेजर्स को दी जा रही जानकारी

ब्लूमबर्ग ने इस संबंध में जारी अपनी रिपोर्ट में दस्तावेजों के हवाले से कहा है कि बुधवार को इस छंटनी से संबंधित घोषणा करने के लिए मैनेजर्स को सूचित किया जा सकता है। नौकरी में कटौती से फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और रियलिटी लैब्स सभी में कार्यरत कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार मैनेजर्स को भेजे गए मेमो से संकेत मिलता है कि टीमों को पुनर्गठित करने की तैयारी की जा रही है।

मैनेजमेंट बोला- ये कठिन समय : द वोक्स की एक अन्य रिपोर्ट ने मेमो के हवाले से कहा है कि मेटा की हेड ऑफ पीपुल लोरी गोलर के मुताबिक, 'यह एक कठिन समय होगा, क्योंकि हम उन दोस्तों और सहयोगियों को अलविदा कह रहे हैं जिन्होंने मेटा में इतना योगदान दिया है।' यहां बता दें कंपनी ने पहली तिमाही के दौरान हायरिंग को फ्रीज पर ही रखा हुआ है।

इसी हफ्ते देखने को मिल सकती है छंटनी

ट्विटर, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन से लेकर मेटा तक में बीते कुछ महीनों में बड़ी छंटनी दुनिया ने देखी और इन दिग्गज कंपनियों से निकाले गए कर्मचारियों का दर्द सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा। फेसबुक ने अपनी शुरुआत के बाद से पहले बड़ी छंटनी करते हुए नवंबर 2022 में कंपनी में काम करने वाले 11,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। ब्लूमबर्ग और वोक्स की रिपोर्ट की मानें तो अब एक बार फिर से 10,000 कर्मचारियों पर खतरे की तलवार लटकी हुई है और इन्हें इसी हफ्ते नौकरी छोड़ने का आदेश दिया जा सकता है।

डीजल निर्यात फिलहाल शुल्कमुक्त

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन के दाम में तेजी

ओएनजीसी के उत्पादित कच्चे तेल पर 6400 रु. प्रति टन शुल्क लगेगा

देश में उत्पादित कच्चे तेल पर फिर लगा अप्रत्याशित लाभ कर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर फिर से अप्रत्याशित लाभ कर लगा दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन के दाम में तेजी के साथ यह कदम उठाया गया है। वहीं डीजल के निर्यात पर शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया है।

मंगलवार यानी 18 अप्रैल को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) जैसी कंपनियों द्वारा उत्पादित कच्चे तेल पर अब 6,400 रुपये प्रति टन का शुल्क लगेगा।

चार अप्रैल की समीक्षा में शुल्क घटाया गया था

इससे पहले, चार अप्रैल की समीक्षा में देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर शून्य कर दिया गया था। इसका कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आना था।

उत्पादन में कटौती से तेल में आई तेजी

हालांकि, उसके बाद तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और रूस जैसे उसके सहयोगी देशों के उत्पादन में कटौती की घोषणा के बाद कच्चे तेल के दाम में तेजी आई। आदेश के अनुसार, सरकार ने डीजल के निर्यात पर कर 50 पैसे प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया है।

एटीएफ पर शुल्क शून्य बना रहेगा

विमान ईंधन एटीएफ के निर्यात पर शुल्क शून्य बना रहेगा। इस बारे में इक्रा लि. के उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग) प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, 'पिछले महीने कच्चे तेल के दाम में नरमी रही। इसलिए चार अप्रैल, 2023 की समीक्षा में विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया था।'

जुलाई 2022 से लगाया शुल्क : सरकार ने एक जुलाई, 2022 से कच्चे तेल के उत्पादन और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया था। इससे बीते वित्त वर्ष में लगभग 40,000 करोड़ रुपये प्राप्त होने का अनुमान है।

- पहले कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाकर शून्य कर दिया गया था
- कच्चे तेल के दाम पहले घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल आ गया था

सरकार को 15 हजार करोड़ प्राप्त होंगे

इक्रा का अनुमान है कि सरकार को इस उत्पाद शुल्क से 2023-24 में करीब 15,000 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। कीमतों के आधार पर ईंधन पर कर दरों की हर पखवाड़े समीक्षा की जाती है।

तेल के दाम में तेजी आई

वशिष्ठ ने कहा, 'ओपेक और उसके सहयोगी देशों के कच्चे तेल के उत्पादन में 11.6 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती की घोषणा के बाद इसके दाम में तेजी आई है। इसको देखते हुए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को शून्य से बढ़ाकर 6,400 रुपये प्रति टन (10.6 डॉलर प्रति बैरल) किया गया है।

भारत में काम करने के लिहाज से टीसीएस सबसे अच्छी कंपनी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एक बेहतर माहौल वाली कंपनी में काम करना हर कर्मचारी का सपना होता है। काम करने के लिहाज से देश की सबसे अच्छी कंपनी कौन है? कर्मचारियों के लिए काम करने के लिहाज से शीर्ष पर आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) है। यह जानकारी लिंक्डइन की ओर से जारी एक रिपोर्ट से मिली है। इसके साथ ही पहली बार, ईस्पोर्ट्स और गेमिंग से ड्रीम11 (20वें) और गेम्स24 गुणा 7 (24दि) जैसी कंपनियों ने इस सूची में जगह बनाई है, जो गेमिंग की बढ़ती लोकप्रियता और इस क्षेत्र की उपस्थिति को दर्शाता है।

- लिंक्डइन की ओर से जारी की गई रिपोर्ट
- शीर्ष 25 में इन कंपनियों ने जगह बनाई

25 कंपनियों ने शीर्ष कंपनियों की सूची में जगह बनाई

1. टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, 2. अमेजन , 3. मॉर्गन स्टेनली, 4. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 5. मैक्वेरी समूह, 6. डेलॉइट , 7. एनएवी फंड एडमिनिस्ट्रेशन ग्रुप , 8. श्नाइडर इलेक्ट्रिक , 9. वायट्रिस , 10. रॉयल कैरेबियन ग्रुप, 11. विटेस्को टेक्नोलॉजीज , 12. एचडीएफसी बैंक , 13. मास्टरकार्ड ,14. यूबी , 15. आईसीआईसीआई बैंक, 16. जिप्टो , 17. एक्सपीडिया ग्रुप , 18. ईवाई , 19. जेपी मॉर्गन , 20. ड्रीम 11 (ड्रीम स्पोर्ट्स) , 21. साइनक्रोनी, 22. गोल्डमैन सैक्स , 23. वेरिंट , 24. गेम्स24x7 , 25. टेकमिंट।

सीमा शुल्क मुद्दों के कारण बंदरगाहों पर फंसी पड़ी है खाद्य तेल की खेप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खाद्य तेल निकाय साल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने बुधवार को कहा कि कच्चे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल की खेपों को सीमा शुल्क मुद्दों के कारण बंदरगाहों पर रोक दिया गया है।

एसईए ने सरकार से इस मामले को तुरंत सुलझाने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे खाद्यतेलों की कमी और खुदरा कीमतों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान शून्य शुल्क पर कच्चे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के आयात का कोटा निर्धारित कर आयात करने की अनुमति दी थी और आयात खेपों को 20 जून, 2023 तक निकासी की अनुमति दी गई थी, बशर्ते कि 'बिल ऑफ लैडिंग डेट' (जहाज के जरिये आयात खेप भेजने की तिथि) 31 मार्च हो। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अध्यक्ष अजय झुनझुनवाला ने कहा, दुर्भाग्य से, सीमा शुल्क 'बिल ऑफ एंट्री' (आयातित जिंसों के ब्योरे से जुड़ा दस्तावेज) के लिए जोर दे रहा है और 'बिल ऑफ लेडिंग डेट' को स्वीकार नहीं कर रहा है, इसलिए एक अप्रैल 2023 से ऐसी खेपों को रोक दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि इस स्थिति से खाद्यतेलों की कमी के साथ कीमत भी बढ़ सकती है।

- कच्चे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल की खेपों को रोका गया
- एसईए एसोसिएशन की सरकार से रोक हटाने का अनुरोध

आयात के माध्यम से 56 फीसदी जरूरत पूरी

भारत आयात के माध्यम से अपनी वार्षिक खाद्य तेल खपत का लगभग 56 प्रतिशत जरूरत को पूरा करता है। सालाना आयात करीब 1.3-1.4 करोड़ टन है।

एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश 25 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से निवेश वित्त वर्ष 2022-23 में 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.56 लाख करोड़ रुपये हो गया। इससे पता चलता है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद एसआईपी पर खुदरा निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। 2021-22 में एसआईपी के माध्यम से 1.24 लाख करोड़ रुपये जबकि 2020-21 में 96,080 करोड़ रुपये जुटाए गए। म्यूचुअल फंड में एसआईपी के माध्यम से संग्रह पिछले सात वर्ष में तीन गुना हो गया है। वित्त वर्ष 2016-17 में यह 43,921 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही मासिक आधार पर एसआईपी में प्रवाह मार्च, 2022 के 12,328 करोड़ रुपये से मार्च, 2023 में 14,276 करोड़ रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया।

एनसीडीईएक्स पर इसबगोल बीज का वायदा अनुबंध शुरू

- गुजरात के उंझा को इसका वितरण केंद्र बनाया
- अनुबंध मई से अगस्त, 2023 तक चार माह के लिए उपलब्ध

एजेंसी ▶▶| मुंबई

नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) ने बुधवार को इसबगोल के बीज का वायदा अनुबंध शुरू करते हुए गुजरात के उंझा को इसका वितरण केंद्र बनाया है। एनसीडीईएक्स ने बयान में कहा, अनुबंध मई से अगस्त, 2023 तक चार माह में व्यापार के लिए उपलब्ध हैं, और एक्सचेंज अनुबंध शुरू करने वाले कैलेंडर के अनुसार नए अनुबंध बाद में जोड़ देगा। एनसीडीईएक्स के मुख्य कारोबार अधिकारी, कपिल देव ने कहा ने कहा, 'विदेशी निर्यात खेप में वृद्धि के साथ इसबगोल भारत की कृषि निर्यात वस्तुओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। निर्यातकों और व्यापारियों के लिए इस कृषि उपज के उतार-चढ़ाव भरे वातावरण में मूल्य जोखिम का प्रबंधन करने के लिए समान रूप से मजबूत तंत्र होना जरूरी था।' बयान में कहा गया है कि इसबगोल बीज अनुबंध एक अनिवार्य वितरण-आधारित अनुबंध होगा और उंझा आधार केंद्र पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर इसमें गोदाम में कीमतों पर कारोबार किया जाएगा, और इसकी दैनिक मूल्य सीमा छह प्रतिशत होगी।

तिमाही में ऑडी इंडिया की बिक्री दोगुना से अधिक हुई...

नई दिल्ली। लग्जरी कार कंपनी ऑडी इंडिया की बिक्री चालू कैलेंडर साल की जनवरी-मार्च तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 1,950 इकाई पर पहुंच गई। इससे पिछले साल की पहली तिमाही में कंपनी ने 862 वाहन बेचे थे। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने बयान में कहा, 'हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो में इस समय 16 मॉडल हैं। इनमें सबसे मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो है जिसका कंपनी की कुल बिक्री में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।' उन्होंने कहा कि हाल में उतारी गई क्यू3 और क्यू3 स्पोर्टबैक की देशभर से काफी मांग आ रही है। ऑडी भारतीय बाजार में ए4, ए6, ए8 एल, क्यू3, क्यू3 स्पोर्टबैक, क्यू5, क्यू7, क्यू8, एस5 स्पोर्टबैक, आरएस5 स्पोर्टबैक, आरएस क्यू8, ई-ट्रॉन 50, ई-ट्रॉन 55, ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक 55, ई-ट्रॉन जीटी और आरएस ई-ट्रॉन जीटी मॉडल बेचती है।

बिजनेस साइट

अक्षय तृतीया पर सहेली ज्वेलर्स का गोल्डन ऑफर

रायपुर। सहेली ज्वैलर्स ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ग्राहकों के लिए शानदार गोल्डन ऑफर लाया है। जिसमें गोल्ड ज्वेलरी की मैकिंग शुल्क पर फ्लैट 25 प्रतिशत की छूट एवं डायमंड ज्वैलरी व पोल्की ज्वेलरी के बनवाई शुल्क पर फ्लैट 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। साथ ही पुराने गोल्ड ज्वेलरी पर 100 प्रतिशत एक्सचेंज वैल्यू रखा गया है। इस अक्षय तृतीया रनिंग डिस्काउंट के साथ 75 प्रतिशत डाउन पेमेंट कर ले जा सकते है। प्री-वेडिंग ऑफर के साथ एंटीक ज्वेलरी, येलो गोल्ड, इटैलियन, डिजाइनर, कुंदन, पोल्की एवं डायमंड ज्वैलरी रनिंग ऑफर के साथ उपलब्ध है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने मनाया विश्व लिवर दिवस

रायपुर। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने एक निजी होटल में बुधवार को लिवर दिवय मनाया गया। इस कार्यक्रम में लिवर के इलाज से स्वास्थ्य हो चुके सौ से अधिक मरीजों ने हिस्सा लिया। जिसमें स्वस्थ्य हुए मरीजों ने डांस व क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें उन्हे उपहार भी दिया गया। कार्यक्रम में हॉस्पिटल के मैनेजिंग व मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे व लिवर डिपार्टमेंट के डॉ. संदीप पांडेय, डॉ. ललित निहाल, डॉ. अजित मिश्रा एवं डॉ. धीरज प्रेमचंदानी उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. संदीप दवे ने उपस्थित स्वस्थ्य हो चुके मरीजों को बधाई दी। कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिल में लिवर का बीमारियों की चिकित्सा, सर्जरी एवं ट्रांसप्लांट की अत्याधुनिक सुविधाए उपलब्ध हैं और लिवर के जटिल मरीजों के इलाज में उच्च स्तरीय सफलता के कारण हम अग्रणी हॉस्पिटल के रूप में पहचान बनाए हुए है। डॉ. संदीप पांडेय ने लिवर की बीमारियों से बचने के लिए लिवर के स्वास्थ्य व देखभाल संबंधित जानकारी दी।

खराब तिमाही नतीजे आने के कारण अक्षता के 610 करोड़ स्वाहा

इंफोसिस की आग में झुलसी यूके पीएम की वाइफ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंफोसिस के खराब तिमाही नतीजों के बाद से जो शेयरों में गिरावट शुरू हुई है उसका असर 7,500 किलोमीटर दूर बैठी ब्रिटिश प्रधानमंत्री रिषी सुनक की वाइफ पर भी देखने को मिल रहा है। तीन दिनों में उनकी वाइफ को 610 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

- अक्षता सुनक 31 मार्च तक इंफोसिस में 1.07 फीसदी की हिस्सेदार है

वास्तव में रिषी सुनक की वाइफ अक्षता इंफोसिस में हिस्सेदार और नारायण मूर्ति की बेटी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च तक इंफोसिस में अक्षता की 1.07 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसकी आखिरी कीमत 4,800 करोड़ रुपए थी। इस गिरावट की वजह से रोहन मूर्ति और सुधा मूर्ति को अनुमानित 2,361 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। आखिर इंफोसिस के शेयरों में लगातार गिरावट की वजह से मूर्ति परिवार को अब तक काफी नुकसान हो चुका है।

तीन दिनों में 11.30 फीसदी की गिरावट

बीएसई पर बुधवार के सत्र में इंफोसिस 2.28 फीसदी गिरकर 1,232.20 रुपए पर बंद हुआ। जबकि मंगलवार के सेशन में डिविडेंड में इजाफा हुआ था। 17 अप्रैल को इंफोसिस के कमजोर मार्च तिमाही के नतीजों और वित्त वर्ष 2024 के लिए वीक ग्रोथ की संभावनाओं की वजह से कंपनी के शेयरों में 9.40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी, जोकि 3 दिनों में 11.30 फीसदी की गिरावट पर आ चुका है। सोमवार को इंफोसिस के शेयरों में गिरावट की वजह से 52-सप्ताह के लोअर लेवल के साथ 1,219 रुपए पर पहुंच गया था।

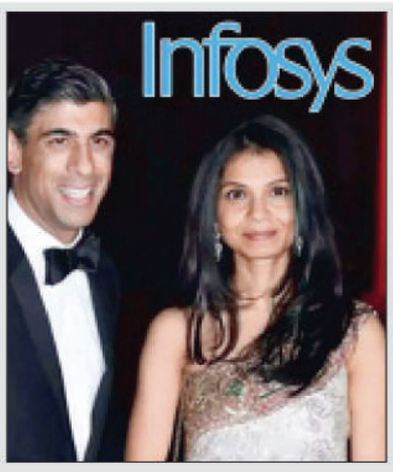

मूर्ति परिवार को कितना हुआ नुकसान

जहां तक मूर्ति परिवार का सवाल है, रोहन मूर्ति ने तीन दिनों में अनुमानित रूप से 951 करोड़ रुपए की संपत्ति गंवाई है। 31 मार्च को कंपनी में उनकी 1.67 फीसदी हिस्सेदारी की कीमत 7,493 करोड़ रुपए थी। सुधा मूर्ति की संपत्ति 540 करोड़ रुपए घटकर 4,257 करोड़ रुपए रह गई। इस बीच, नारायण मूर्ति ने 31 मार्च को इंफोसिस में अपनी 0.46 प्रतिशत हिस्सेदारी पर तीन दिनों में सैद्धांतिक रूप से 260 करोड़ रुपए खो दिए हैं।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	06	04	02	08	1.043
लखनऊ	06	04	02	08	0.709
चेन्नई	05	03	02	06	0.265
गुजरात	05	03	02	06	0.192
पंजाब	05	03	02	06	-0.109
मुंबई	05	03	02	06	-0.164
कोलकाता	05	02	03	04	0.320
बेंगलुरु	05	02	03	04	-0.318
हैदराबाद	05	02	03	04	-0.798
दिल्ली	05	00	05	00	-1.488

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	रन
प्लेसिस	बेंगलुरु	05	259
बटलर	राजस्थान	06	244
वेंकटेश	कोलकाता	05	234
शिखर धवन	पंजाब	04	233
शुभमन	गुजरात	05	228

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	पारी	विकेट
मार्क वुड	लखनऊ	04	11
राशिद खान	गुजरात	05	11
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	06	11
मो. शमी	गुजरात	05	10
देशपांडे	चेन्नई	05	10

दिल्ली ने ईश्वरन और गर्ग को ट्रायल्स के लिए बुलाया

नई दिल्ली। भारत के घरेलू बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को अभिमन्यु ईश्वरन और प्रियम गर्ग को ट्रायल्स के लिए बुलाया। इन दोनों खिलाड़ियों ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं और वे आईपीएल नीलामी में नहीं बिके थे। दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल भारतीय बल्लेबाज अभी तक नहीं चल पाए हैं।

हार के बावजूद टॉप पर राजस्थान

आईपीएलः लखनऊ सुपर जायंट्स ने दस रन से हराया, आवेश खान ने झटके तीन विकेट

जयपुर। मैन ऑफ द मैच मार्कस स्टोइनिस (21 रन और दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और आवेश खान (25 रन पर तीन विकेट) के कातिलाना प्रहार की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने बुधवार को राजस्थान रायल्स को उसके घर पर दस रन से हरा दिया। सवाई मानसिंह स्टेडियम पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 154 रन बनाए जिसके जवाब में राजस्थान रायल्स छह विकेट पर 144 रन ही बना सकी। इस हार के बावजूद रन औसत पर बेहतर होने के कारण राजस्थान आठ अंक के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर काबिज है जबकि लखनऊ इतने ही अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की तरफ से यशस्वी जायसवाल (44) और जोस बटलर (40) ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़ कर राजस्थान के लिये अच्छी शुरूआत की थी। लेकिन इसके बाद लखनऊ की टीम ने वापसी करते हुए 17 रनों के अंदर गिरा दिए। यशस्वी जायसवाल 44 रन, संजू सैमसन दो रन, बटलर 40 रन और हेटमायर दो रन बनाकर आउट हो गए। राजस्थान के 104 के स्कोर पर चार विकेट गिरन के बाद देवदत्त पड्डिकल और रियान पराग ने टीम को संभालते हुए 5वें विकेट के लिए 26 गेंदों में 37 रनों की साझेदारी देखने को मिली। आखिरी 2 ओवरों में राजस्थान की टीम को जीत हासिल करने के लिए 29 रनों की जरूरत थी। इसके बाद पड्डिउकल और रियान पराग ने इस ओवर में 10 रन बटोरते हुए 6 गेंदों में जीत के लिए 19 रन की जरूरत थी।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
केएल राहुल कै. बटलर बो. होल्डर	39	32	4/1
काइल मेयर्स बो. अश्विन	51	42	4/3
आयुष बदोनी बो. बोल्ट	01	04	0/0
हुड्डा कै. हेटमायर बो. अश्विन	02	04	0/0
स्टोइनिस कै. संजू बो. संदीप	21	16	2/0
निकोलस पूरन रन आउट	29	20	2/1
कृणाल पंड्या नाबाद	04	02	1/0
चरक रन आउट	01	01	0/0

अतिरिक्तः 6, कुलः 20 ओवर में सात विकेट पर 154 रन **विकेट पतनः** 1-82, 2-85, 3-99, 4-104, 5-149, 6-153,7-154 **गेंदबाजीः** ट्रेंट बोल्ट 4-1-16-1, संदीप शर्मा 4-0-32-1, रविचंद्रन अश्विन 4-0-23-2, युजवेंद्र चहल 4-0-41-0, जेसन होल्डर 4-0-38-1,

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. आवेश बो. स्टोइनिस	44	35	4/2
बटलर कै. रवि बो. स्टोइनिस	40	41	4/1
संजू सैमसन रन आउट	02	04	0/0
पड्डिकल कै. पूरन बो. आवेश	26	21	4/0
हेटमायर कै. राहुल बो. आवेश	02	05	0/0
रियान पराग नाबाद	15	12	1/1
ध्रुव जुरेल कै. हुड्डा बो. आवेश	00	01	0/0
रवि अश्विन नाबाद	03	02	0/0

अतिरिक्तः 12, कुलः 20 ओवर में छह विकेट पर 144 रन **विकेट पतनः** 1-87, 2-93, 3-97, 4-104, 5-141, 6-141 **गेंदबाजीः** नवीन उल हक 4-0-19-0, युद्धवीर सिंह चरक 4-0-27-0, आवेश खान 4-0-24-3, मार्कस स्टोइनिस 4-0-28-2, रवि बिश्नोई, 4-0-25-0, अमित मिश्रा 2-0-15-0,

आवेश ने अंतिम ओवर में झटके दो विकेट

राजस्थान की टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 19 रनों की दरकार थी, जिसमें लखनऊ की तरफ से आवेश खान ने अपनी पहली गेंद पर चौका दे दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर आवेश ने सिर्फ एक रन दिया। तीसरी गेंद पर देवदत्त आउट हो गए। चौथी गेंद पर ध्रुव जुरेल भी आउट हो गए। अंतिम 2 गेंदों पर राजस्थान की टीम सिर्फ 3 रन ही बनाने में कामयाब हो सकी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा.। लखनऊ के लिए आवेश खान ने तीन जबकि मार्कस स्टोइनिस ने दो विकेट झटके

आईपीएल में खेलने वाले अफगानिस्तान के छठे क्रिकेटर बने नवीन उल हक

तेज गेंदबाज नवीन उल हक आईपीएल में खेलने वाले अफगानिस्तान के छठे क्रिकेटर बन गए है। नवीन ने राजस्थान के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल में डेब्यू किया है। नवीन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक कुल 27 मैच में 34 विकेट झटके हैं। नवीन से पहले अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, रहमनुल्लाह गुरबाज, नूर अहमद, आईपीएल में डेब्यू कर चुके हैं।

काइल मेयर्स (51) और केएल राहुल (39) ने की लखनऊ के लिए 82 रन की साझेदारी

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे लखनऊ की शुरूआत अच्छी रही। काइल मेयर्स (51) और केएल राहुल (39) की ठोस शुरूआत करते हुए 82 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। इसके बाद हालांकि टीम को दीपक हुड्डा (2) और आयुष बदोनी (एक) के रूप में दो झटके लगे। इसके बाद बाद के ओवरों में निकोलस पूरन (29) और मार्कस स्टोइनिस (21) के बीच 45 रनों की तेज भागीदारी ने टीम को सात विकेट पर 154 रनो का सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में मदद की। आईपीएल के महंगे खिलाड़ियों में एक हुड्डा एक बार फिर असफल साबित हुये। राजस्थान की ओर से रविचंद्रन अश्विन को दो विकेट मिले जबकि जेसन होल्डर, ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा ने एक एक विकेट हासिल किया। पारी के आखिरी ओवर में रन गति को बढाने के क्रम में जायंट्स ने तीन खिलाड़ी खोये। पहले स्टोईनिस को संदीप शर्मा ने विकेट के पीछे कैच करवा कर पवेलियन पहुंचाया जिसके बाद रन चुराने के चक्कर में पूरन रन आउट हुए। आखिरी गेंद पर युद्धवीर सिंह भी रन आउट करार दिए गए। मेयर्स ने अपनी अर्धशतकीय पारी में चार चौके और तीन छक्के लगा कर दर्शको की वाहवाही बटोरी जबकि दूसरे छोर पर राहुल मे अपनी 32 गेंदों की पारी मे चार चौके और एक छक्का जमाया।

एसएसबी अकादमी में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल । चंदूखेड़ी भोपाल बल मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार सशस्त्र सीमा बल अकादमी एसएसबी भोपाल में द्वितीय सीमांत क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में सशस्त्र सीमा बल के छह सीमांत मुख्यालय, बल मुख्यालय तथा प्रशिक्षण निदेशालय मिलाकर कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन मैच तेजपुर व सिलीगुड़ी के मध्य खेला गया, जिसमें तेजपुर सीमांत की टीम विजयी रही। इस अवसर पर अजीत सिंह राठौड, कमांडेंट अमित सिंह, कमांडेंट व अन्य अधिकारीगण तथा अकादमी के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीष कुमार, कमांडेंट 16वीं वाहिनी जमुई द्वारा उक्त प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के बाद मेजबान टीम के कैप्टन द्वारा सभी टीमों को शपथ दिलाई गई। वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल भारत-नेपाल एवं भारत-भूटान खुली सीमा की रक्षा कर रही हैं एवं साथ ही साथ सीमा क्षेत्रों में होने वाले अपराधों जैसे तस्करी, मानव तस्करी और अन्य अपराधों को रोकने का कार्य कर रही है।

भोपाल ने तमन्ना की शतकीय पारी से नर्मदापुरम को हराया

भोपाल । मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत जेएस आनंद सीनियर वोमेंस सीमित ओवर का इंदौर के होल्कर स्टेडियम में भोपाल संभाग व नर्मदापुरम संभाग के बीच मैच खेला गया। भोपाल संभाग के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 279 रनों का स्कोर बनाया। भोपाल संभाग से बल्लेबाजी में तमन्ना निगम ने शानदार 96 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 103 रनों की शतकीय पारी खेली। राहिला फिर्दोष ने आठ चौकों की मदद से 73 रन बनाए। प्रीति यादव ने सात चौकों के साथ 42 रन बनाए। नर्मदा पुरम संभाग से गेंदबाजी करते हुए अनामिका रघुवंशी ने तीन विकेट, पल्लवी यादव ने 2 विकेट लिया। जवाब में नर्मदापुरम संभाग 50 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 122 रन ही बना सकी। नर्मदा पुरम संभाग से बल्लेबाजी में अनन्या दुबे ने 33 रन, कल्याणी यादव ने 31 रन एवं अनामिका रघुवंशी के 22 रनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज रनों का योगदान अपनी टीम को नहीं दे सका। भोपाल संभाग से गेंदबाजी करते हुए पलक वशिष्ठ ने चार विकेट, प्रीति यादव ने 2 विकेट लिया। इस तरह भोपाल संभाग में नर्मदा पुरम संभाग को 157 रनों से हराया। मैन ऑफद मैच का पुरस्कार तमन्ना निगम को दिया गया।

मोहम्मद सिराज से टीम की अंदरूनी जानकारी मांग रहा था सटोरिया

गेंदबाज ने एसीयू को दी जानकारी, अधिकारियों ने व्यक्ति को पकड़ा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बीसीसीआई की एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले की जानकारी दी है। सिराज ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति (ट्रक ड्राइवर) ने उन्हें फोन किया था और उनसे टीम से जुड़ी जानकारी मांग रहा था।

यह घटना ऑस्ट्रेलिया के भारत आने से ठीक पहले की है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इसी साल फरवरी और मार्च के महीने में भारत कौ दौरा किया था, जिसमें चार टेस्ट और तीन वनडे मैच की सीरीज खेली गई थी। ऑस्ट्रेलिया से पहले भारत ने श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ वनडे और टी-20 सीरीज खेली थी। इसी दौरान इस सटोरिये ने पैसे गंवाए थे। इस मामले पर सिराज ने तुरंत एसीयू के अधिकारियों को फोन कॉल के बारे में सूचित किया। यह एक बुकी नहीं था जिसने सिराज से संपर्क किया था। यह हैदराबाद का एक ड्राइवर है जो मैचों पर सट्टा लगाने का आदी है। उसने बहुत पैसा खो दिया था और टीम के अंदर की जानकारी के लिए सिराज से संपर्क किया था। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया, सिराज ने तुरंत मामले की सूचना दी। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

लाजोविच ने बांजा लूका ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई

नई दिल्ली। सर्बिया के दुसान लाजोविच ने फिलिप क्राजिनोविच को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर बांजा लूका ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। लाजोविच ने क्ले कोर्ट पर क्राजिनोविच से तीनों मुकाबले जीते हैं और उन्हें 3-2 की बढ़त हासिल है। लाजोविच ने नौ ब्रेक अंकों में से पांच को भुनाया और दो घंटे 14 मिनट में जीत हासिल की। एक और सर्बियाई खिलाड़ी आगे बढ़े जब लास्लो जेरे ने रोमन सफिउलिन को 6-4, 6-2 से हरा दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर 7 रिचर्ड गास्के ने 17 वर्षीय क्रोएशियाई क्वॉलीफायर डिनो प्रिज्मिक को 6-3, 6-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। मैच के बाद लाजोविच ने कहा, मुझे लगता है कि यह उन मैचों में से एक है जो हममें से कोई खेलना नहीं चाहता है और हम इसे फिनिश करना चाहते थे।

16 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा एसी मिलान

चैंपियंस लीगः दूसरे चरण के मैच में नेपाली से ड्रॉ खेला

नेपल्स। सात बार की चैंपियन एसी मिलान ने नेपाली के खिलाफ क्वॉर्टर फाइनल में दूसरे चरण में 1-1 से ड्रॉ के बाद कुल स्कोर 2-1 से आगे निकलकल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले एसी मिलान 2007 में अतिंम-4 में पहुंचा था। पहले चरण में एसी मिलान ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। मिलान के लिए 43वें मिनट में ओलिवियर ने लियो के पास पर गोल कर बढ़त बनाई। मैच में 81वें मिनट के बाद नेपाली को टोमोरी के हैंडबॉल के कारण पेनल्टी मिली लेकिन माइक मैग्नान ने शानदार डाइविंग बचाव कर इस प्रयास को विफल कर दिया। नेपाली के लिए इंजरी समय में विक्टर ओसिमहेन के हैडर से गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया। इसके बाद कोई गोल नहीं हुआ और मैच ड्रॉ पर समाप्त हो गया। पहले मैच में बढ़त के कारण ए सी मिलान सेमीफाइनल में पहुंच गया है, जंहा उसका मुकाबला इंटर या बेनीफिका से मुकाबला होगा।

प्रदेश के दुरविशा व आरना ने जीता रजत

भोपाल। भारतीय ट्रायथलॉन संघ द्वारा आयोजित आईटीएफ चेन्नई ओपन प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के ट्रायथलीट दुरविशा पवार और आरना मुरमकर ने रजत पदक जीता। यह प्रतियोगिता सीएसएस कैंपस चेन्नई में आयोजित हुई। दूरविश ने जूनियर ट्रायथलॉन जिसमें 750 मीटर तैराकी, 20 किलोमीटर साइकिलिंग और 4 किलोमीटर की रनिंग कर रजत पदक हासिल किया। साथ ही अकादमी की दूसरी ट्रियथलिट आरना मुरमकर ने डूवाथलान इवेंट 4 किलोमीटर रनिंग, 20 किलोमीटर साइकिलिंग और फिर 2 किलोमीटर रनिंग कर रजत पदक हासिल कर अकादमी और प्रदेश का नाम रोशन किया। उनकी इस सफलता पर संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने प्रसन्नता जाहिर की। दूरविशा पवार ने बेंगलुरु में आयोजित आईटीएफ प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक हासिल किया था।

एलएनसीटी विश्वविद्यालय टीम जालंधर रवाना

भोपाल। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय महासंघ के तत्वावधान में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर में 22 से 25 अप्रैल 2023 तक आयोजित की जा रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ई-स्पोर्टस पुरुष प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एलएनसीटी विद्यालय की टीम रवाना हो गई। विश्वविद्यालय टीम में करण जय शर्मा बीसीए, नमन गौर बीसीए, यशवर्धन सिंह ठाकुर बीसीए, सूर्यांश दुबे बीसीए, पीयूष सैनी बीसीए, सुजल साहू बीसीए इत्यादि शामिल है। टीम का कोच मयूरेश व्यास को नियुक्त किया गया। सभी चयनित खिलाड़ियों को डॉ. अनुपम चौकसे प्रो चांसलर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, प्रोफेसर डॉ. एनके थापक वाइस चांसलर डॉ. अजीत सोनी रजिस्ट्रार, डॉ. अशोक राय डीन एडमिनिस्ट्रेशन एलएनसीटी, पंकज जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, आकाश दुबे आईटी हेड, डा. रमेश शुक्ला असिस्टेंट रजिस्ट्रार, डॉ. वीएस पवार प्रिंसिपल फिजिकल एजुकेशन, वीरेश पाटकर, तनवंत सिंह, महेश सोधिया ने शुभकामनाएं दी।

सुदीरमन कप में भारत की अगुआई करेंगे सिंधु, प्रणय

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु और विश्व के नंबर नौ खिलाड़ी एचएस प्रणय चीन के सूजौ में 14-21 मई तक होने वाले 2023 सुदीरमन कप में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति ने मंगलवार को यहां हुई बैठक में मिश्रित टीम चैंपियनशिप में पहली बार पदक जीतने के उद्देश्य से एक संतुलित टीम का चयन किया।भारतीय पुरुषों ने पिछले साल प्रतिष्ठित थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था। साल की शुरुआत में एशियाई मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत के कांस्य पदक जीतने के बाद सुदीरमन कप में पदक आने की उम्मीदें और बढ़ गयीं। भारत को सुदीरमन कप के ग्रुप सी में मलेशिया, चीनी ताइपे और ऑस्ट्रेलिया के साथ रखा गया है। उनका पहला लक्ष्य संभावित मुश्किल ग्रुप से नॉक-आउट चरण में जगह बनाना होगा। चोट के कारण एशियाई मिश्रित टीम चैंपियनशिप से बाहर रहने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की वापसी से पुरुष युगल टीम को मजबूती मिलेगी, जबकि अनुभवी अश्विनी पोनप्पा और उनकी नयी जोड़ीदार तनीषा क्रैस्टो ऑल इंग्लैंड सेमीफाइनलिस्ट गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली के विकल्प के रूप टीम के साथ सफर करेंगी। किदांबी श्रीकांत और मौजूदा सीनियर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय टीम में अन्य एकल खिलाड़ी होंगी।

सुदीरमन कप के लिए भारतीय टीम

पुरुष एकल : एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत (अतिरिक्त : लक्ष्य सेन)

महिला एकल : पीवी सिंधु, अनुपमा उपाध्याय (अतिरिक्त : आकर्षी कश्यप)

पुरुष युगल : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला

महिला युगल : गायत्री गोपीचंद/त्रिशा जॉली, अश्विनी पोनप्पा/तनीषा क्रास्टोमिश्रित युगल : तनीषा क्रास्टो/साई प्रतीक

ऑस्ट्रेलियाई टीम में डेविड वॉर्नर, जोश इंगलिस व मार्श की वापसी

भारत के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कंगारू टीम घोषित

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और इंग्लैंड के विरुद्ध होने वाले शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को स्क्वाड में शामिल किया है।

सीए के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बुधवार को इसकी घोषणा करते हुए संवाददाताओं से कहा, वह (वॉर्नर) टेस्ट क्रिकेट में हमारे पिछले दो शानदार वर्षों को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर खत्म करना चाहते हैं और फिर एशेज पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। सीए ने हालांकि मार्कस हैरिस और मैट रेनशॉ को भी 17 सदस्यीय-स्क्वाड में शामिल किया है जो जरूरत पडने पर बतौर ओपनर वॉर्नर की जगह ले सकते हैं। वामहस्त बल्लेबाज वॉर्नर खराब फॉर्म की वजह से दबाव में चल रहे हैं। वह फरवरी 2023 में कोहनी की चोट के कारण भारत दौरे से वापस स्वदेश लौट गए थे और सात जून को होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनके खेलने पर संदेह था।

ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के ओवल मैदान पर होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत का सामना करना है, जिसके बाद उसका मुकाबला पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड से होगा।बेली ने कहा कि चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट पूरे होने के बाद टीम का पुनर्मूल्यांकन करेंगे। चोट से जूझ रहे ऑलराउंडर मिचेल मार्श 2019 एशेज सीरीज के बाद पहली बार कैमरन ग्रीन के बैकअप के रूप में टेस्ट टीम में लौटे हैं, जबकि इंग्लैंड में जन्मे विकेटकीपर जोश इंगलिस ने भी टीम में जगह बनाई है। फरवरी-मार्च में भारत दौरे पर आए बल्लेबाज पीटर हैंड्सकॉम्ब, ऑलराउंडर एश्टन एगर, स्पिनर मिचेल स्वेपसन और मैट कुनमैन इंग्लैंड का टिकट नहीं कटा सके। इंग्लैंड में अपेक्षित विभिन्न परिस्थितियों के बावजूद ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी ने भारत में अपने पहले चार टेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बाद नेथन लायन के बैकअप के रूप में टीम में अपना स्थान बनाये रखा है।

डब्ल्यूटीसी के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, मार्कस हैरिस, जॉश हेजलवुड, ट्राविस हेड, जॉश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, टॉड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, डेविड वार्नर।

रोचक खबरें

हमजोली: जुड़वा बहनों में साथ दिखी घातक बीमारी, एक बीमार पड़ी तो दूसरी में भी दिखे लक्षण

स्कॉटलैंड। जुड़वा बच्चों की हरकतें तो एक जैसी होती हैं, यह आपने भी सुना होगा। लेकिन दोनों में एक जैसी बीमारी हो, यह शायद ही सुनने को मिला होगा। मगर स्कॉटलैंड की सोफी वॉकर और उनकी जुड़वा बहन मेगन अलग हैं। दोनों एक साथ पैदा हुईं। शारीरिक बनावट में बहुत समानता नहीं लेकिन जब सोफी को कैंसर जैसी घातक बीमारी हुई तो उसके कुछ ही समय बाद मेगन में भी इसके लक्षण नजर आने लगे। डॉक्टर भी यह देखकर हैरान थे कि ऐसा कैसे हो सकता है। जबकि इनके परिवार में कोई भी कैंसर की चपेट में नहीं आया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 16 साल की सोफी वॉकर को अक्तूबर 2017 में विल्म्स ट्यूमर – एक प्रकार का किडनी कैंसर- होने का पता चला। कुछ ही समय बाद उसकी कीमोथेरेपी शुरू हुई और तकरीबन चार हफ्ते तक कीमोथेरेपी हुई। पांच साल के अंदर दो बार वह कैंसर से मुक्त हो चुकी थी लेकिन फिर कैंसर वापस आ जाता था। इसके कुछ ही दिनों बाद उसकी जुड़वा बहन मेगन में भी लक्षण दिखाई देने लगे। सोफी की तरह ही पेट और पीठ में दर्द, शरीर का पीला होना, वजन कम होना, पेठ में ऐंठन जैसी दिक्कतें होने लगीं। मां रेबेका वॉकर ने कहा, जब सोफी का पहली बार इलाज पूरा हुआ, तभी मेगन में भी लक्षण आ गए थे। लोग उसे देखकर कहते थे कि वह कितनी बीमार दिखती है। हमने हर तरह की जांच कराई लेकिन कुछ नहीं निकला। यह आश्चर्यजनक बात थी। इस बीच सोफी की एमआरआई में पता चला कि उसकी रीढ़ पर कुछ बग है। इसका मतलब था कि कैंसर फैल चुका था। डॉक्टरों ने कहा, यह काफी कठिन समय है।

मिली नेमत: उम्मीद छोटी की थी और हाथ लगी 10 साल के बच्चे जितनी बड़ी मछली, देखते ही चीखा

पेरिस। पानी की दुनिया बहुत गहरी है। इसके अंदर इतनी अलग-अलग प्रजातियां रहती हैं कि उनमें से आधे से अधिक के बारे में इंसान जानता भी नहीं है। कई बार गलती से ये जीव इंसान के सामने आ जाते हैं। कई बार अपने समुद्र से ऐसे जीवों के पकड़े जाने की खबरें सुनी होगी, जो इस दुनिया के तो लगते ही नहीं हैं। ऐसी ही एक कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जहां ब्रिटेन के एक शख्स के जाल में ऐसी मछली फंसी कि सब अचंभित हो गए। इस मछली को देखने के बाद यकीन करना मुश्किल है कि ये रियल फिश है।ये घटना हुई फ़्रांस के ब्लूवॉटर लेक्स में। छुट्टियां मनाने आए ब्रिटेन के एक शख्स के साथ। ये शख्स सिर्फ मौज-मस्ती के लिए झील में मछली पकड़ने के इरादे से गया था। लेकिन अचानक उसे ऐसा लगा जैसे उसके जाल में कुछ बेहद भारी चीज फंस गई है। उसे जाल को खींचने में ही पच्चीस मिनट का समय लग गया। जैसे ही जाल बाहर आया, शख्स के अलावा वहां मौजूद सभी लोग उसके जाल में करीब दस साल के बच्चे जितनी बड़ी मछली फंस गई थी। ब्रिटेन के एंडी ने बताया कि उसे मछली पकड़ते हुए बीस साल हो गए हैं। उसने कहा कि वैसे तो उसे मछलियां पकड़ने का काफी अनुभव है लेकिन इस बार उसने ऐसी कोई उम्मीद नहीं की थी।

प्यार हो तो ऐसा: अपनी रूठी प्रेमिका को मनाने लगातार 21 घंटों तक बारिश और ठंड में बैठा रहा प्रेमी

बीजिंग। चीन में एक प्रेमी ने अपनी रुठी एक्स-गर्लफ्रेंड को मनाने के लिए लगातार 21 घंटों तक घुटनों के बल बैठा रहा। इस प्रेमी की कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन से एक बेहद दिलचस्प मामला आया है। एक प्रेमी ने अपनी रूठी प्रेमिका को मनाने के लिए 21 घंटे तक घुटने टेक कर बारिश में बैठा रहा। दरअसल, प्रेमिका ने प्रेमी से ब्रेकअप कर लिया था। इससे प्रेमी काफी आहत हो चुका था। इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर पाया फिर उसने ऐसा अनोखा कारनामा किया जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

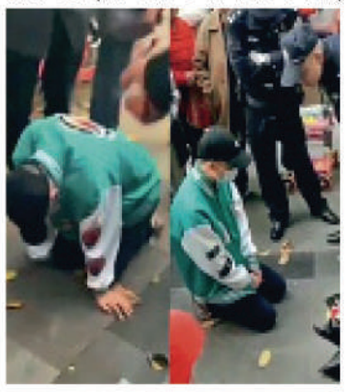

दुनिया की रहस्यमयी जगहें

कहीं लगी जाने पर रोक तो कहीं रात में परेशान करने आती हैं चीखने की आवाजें

लंदन। दुनिया में कई रहस्यमयी और अनोखी जगहे हैं। इन जगहों के बारे में जानकर यकीन करना मुश्किल होता है। वैज्ञानिक भी कई रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठा पाए हैं। कई रहस्यमयी जगहों पर जाने पर रोक है। इन जगहों में कई एलियंस, भूतों और दूसरी वजहों से रहस्यमयी हैं। आज हम आपको कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा।

उलुरु की पहाड़ी हमेशा बदलती रहती है रंग

उलुरु (एयर्स रॉक) ऑस्ट्रेलिया आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। बलुआ पत्थर की एक चट्टान है, जो कछुए के ऊपरी खोल की तरह नजर आती है। बताया जाता है कि यहां पर आदिवासी रहते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पहाड़ी का दिन में कई बार रंग बदलता रहता है। दुनिया की इकलौती पहाड़ी है, जिसका का रंग बदलता रहता है। माना जाता है कि यह पहाड़ी 50 हजार साल पुरानी है। ऐसा क्यों होता है, इस रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है।

धनुषकोटि में महसूस करते हैं प्रेत आत्माओं को

भगवान राम ने रावण का वध करने और लंका पर विजय के बाद राज्य को विभीषण को सौंप दिया था। रावण के छोट भाई और लंका पर राज कर रहे विभीषण ने भगवान राम से निवेदन किया कि लंका तक आने वाले रामसेतु को तोड़ दीजिए। इसके बाद भगवान राम ने अपनी धनुष के एक छोर से सेतु को तोड़ दिया। इसके बाद से यह स्थान धनुषकोटि के नाम से प्रसिद्ध हो गया। यह रहस्यमयी शहर तमिलनाडु के पूर्वी तट पर स्थित है। भगवान राम का धनुषकोटि से गहरा नाता है, तो वहीं यहां पर प्रेत आत्माओं के महसूस किए जाने का दावा किया जाता है। इसके पीछे की वजह साल 1964 में यहां पर आए भीषण चक्रवात को माना जाता है। तूफान के बाद यहां पर आने वाले लोगों ने महसूस किया कि यहां पर कुछ असामान्य है। लोगों के इन अनुभवों के बाद तमिलनाडु सरकार ने इस छोटे शहर को भूतिया शहर की सूची में डाल दिया और इसे रहने के लिए अयोग्य करार दे दिया। सरकार ने चेतावनी भी दी कि यहां पर दिन ढलने के बाद कोई नहीं जाए।

कलावंती दुर्ग महाराष्ट्र में आत्महत्या करने आते हैं लोग

कलावंती दुर्ग को रहस्यमयी माना जाता है। प्रदेश के माथेरान और पनवेल के बीच यह दुर्ग स्थित है, जो बेहद डरावना है। इस दुर्ग की कई कहानियां हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस किले में नकारात्मकता का वास है, जिससे लोग यहां पर खींचे चले जाते हैं और आत्महत्या कर लेते हैं। सबसे डरावनी बात यह है कि इस खंडहर में आधी रात के बाद चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं।

भानगढ़ किला आज भी माना जाता है शापित

राजस्थान के अलवर जिले में भानगढ़ किला स्थित है, जिसे भारत की सबसे डरावनी जगह माना जाता है। बताया जाता है कि यह किला शापित है। शाम होने के बाद इस किले के अंदर लोगों के जाने पर रोक है। सरकार का निर्देश है कि इस किले में या इसके आसपास शाम छह बजे के बाद कोई व्यक्ति नहीं जाएगा। बताया जाता है कि भानगढ़ में एक तांत्रिक रहता था, जो यहां की राजकुमारी रत्नावती से शादी करना चाहता था। तांत्रिक ने राजकुमारी को अपने वस में करने के लिए एक बार उनकी दासी को अभिमंत्रित तेल दिया था। यह तेल की शीशी दासी से हाथ से एक शिला पर गिर गई। इसके बाद शिला तांत्रिक की तरफ खींचती चली गई जिसमें वह दब गया और उसकी मौत हो गई। तांत्रिक ने मौत से पहले वहां के रहने वाले लोगों को श्राप दे दिया था। बताया जाता है कि तांत्रिक की मौत के बाद राजकुमारी समेत सभी लोगों की मौत हो गई। यहां इन्हीं लोगों की आत्माएं अभी भी भटकती हैं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

निलंबन के 90 दिनों बाद विस्तृत आदेश जरूरी, नहीं तो मानी जाएगी बहाली

बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी शासकीय कर्मचारी को विभिन्न आरोपों के तहत निलंबित कर दिया जाता है तो निलंबन अवधि के 90 दिनों के बाद आरोपों के संबंध में विस्तृत आदेश जारी करना होगा। विभाग प्रमुख अगर ऐसा नहीं कर पाते हैं तो निलंबन आदेश निरस्त माना जाएगा और संबंधित कर्मचारी की बहाली मानी जाएगी।

दरअसल शांतिपारा, भिलाई निवासी मनीषा पाठक, जिला चिकित्सालय, बेमेतरा में फार्मासिस्ट ग्रेड-दो के पद पर पदस्थ थीं। उनके विरूद्ध कुछ शिकायतें प्राप्त होने पर कलेक्टर- बेमेतरा द्वारा निलंबित कर दिया गया। निलंबन के पश्चात 90 दिनों के भीतर कलेक्टर - बेमेतरा द्वारा आरोप पत्र जारी कर दिया गया। परंतु अन्य कोई विभागीय कार्रवाई नहीं होने और बहाल नहीं किए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की गई थी। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के सिंगल बेंच ने याचिका खारिज कर दी थी।

सिंगल बेंच के फैसले को डीबी में चुनौती

सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं घनश्याम शर्मा के जरिए डिवीजन बेंच के समक्ष अपील की। इसमें कहा गया कि निलंबन के 90 दिवस पश्चात ठोस एवं विशेष कारण बताते हुए निलंबन के विस्तारण का आदेश जारी करें एवं यह भी उल्लेखित करना आवश्यक है कि उक्त कर्मचारी को लगातार निलंबित रखा जाना क्यों आवश्यक है।

इन्होंने की सुनवाई

मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस अरूप कुमार गोस्वामी एवं जस्टिस दीपक तिवारी के डिवीजन बेंच में हुई। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता के विरूद्ध जारी निलंबन आदेश को निरस्त कर उसे सेवा में बहाल करने का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने इस आदेश को हाईकोर्ट के एएफआर (नजीर) घोषित किया है।

धोखाधड़ी कर बीमा कंपनी का मैनेजर पहुंचा पिकनिक मनाने, गिरफ्तार

▶▶ कोरबा

एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो जाने पर बीमा कंपनी के मैनेजर ने धोखे से हस्ताक्षर कराकर 18 लाख रुपए डकार लिया था और बुधवार को मैनेजर पिकनिक मनाने पहुंचा था। जैसे ही बालको पुलिस को सूचना मिली पुलिस ने पिकनिक स्थल पर ही घेराबंदी की और आरोपी को धरदबोचा।

बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत पाड़ीमार भदरापारा निवासी राजकुमार पैकरा 66 वर्ष पिता स्व. गुलबदन सिंह पैकरा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके पुत्र राकेश कुमार पैकरा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी जिस पर मृतक के परिजनो को बीमा कंपनी द्वारा आईसीआईसीआई लोम्बार्ड बीमा के माध्यम 50 लाख रुपए का बीमा राशि दिया गया था। उक्त बीमा राशि में से करीबन 18 लाखरूपये को आरोपी बैंक मैनेजर दिलीप तिवारी द्वारा प्रार्थी के बहु निशा कंवर एवं प्रार्थी का धोखे से हस्ताक्षर कराकर छल पूर्वक 18 लाख रुपए आहरण कर लिया था। मामले की शिकायत पर पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। थाना प्रभारी बालको सनत सोनवानी के नेतृत्व में एक टीम बनाकर आरोपी के ठिकानों पर टीम ने दबिश दिया।

फरार हो गया था आरोपी

अपराध पंजीबद्ध होने के बाद से आरोपी दिलीप तिवारी फरार हो गया था। उसे बुधवार को रजगामार क्षेत्र पिकनिक मनाने जाने की सूचना पर आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी को पूछताछ करने पर करने पर अपना जुर्म कबूल किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

19 दिन तक नहीं सोया, गिनीज बुक वालों ने भी बंद की गिनती

कैलिफोर्निया। कल्पना कीजिए कि कोई शख्स 453 घंटे और 40 मिनट यानी लगभग 19 दिन बिना आंख बंद किए जागता रहे। आपको लगेगा कि ऐसा हो ही नहीं सकता। लेकिन ऐसा हुआ है। 1986 में रॉबर्ट मैकडॉनल्ड नाम के एक शख्स ने यह कारनामा किया और सबसे लंबे समय तक जागते रहने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया था। यह उपलब्धि इतनी खतरनाक थी कि दुनियाभर में चुनौतीपूर्ण रिकॉर्ड दर्ज करने वाले गिनीज बुक वाले भी हार गए। उन्होंने इस तरह की गणना ही बंद कर दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स तब से लगातार जागने वालों का रिकॉर्ड दर्ज नहीं करता। हालांकि, उन्होंने अपनी बेवसाइट पर मैकडॉनल्ड्स की उपलब्धि का जिक्र किया है। यह भी बताया है कि अब तक इस रिकॉर्ड को कोई तोड़ नहीं पाया।

मौत से पहले जल्लाद ने पूछी आखिरी ख्वाहिश, तो बता दी दिल की बात

मौत की सजा से पहले खाया ठूस-ठूसकर खाना

दुनिया में ऐसे कई देश हैं, जहां बतौर सजा मौत देना बंद कर दिया गया है। यहां अपराधियों को सिर्फ उम्रकैद की सजा दी जाती है। लेकिन आज भी ऐसे कई देश हैं, जहां क्राइम को देखते हुए मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, मौत से पहले इन अपराधियों से उनकी आखिरी ख्वाहिश जरूर पूछी जाती है। इस आखिरी ख्वाहिश को पूरा करने के पीछे लॉजिक ये है कि मौत के बाद उनकी आत्मा को शांति मिल पाए। कई अपराधी मरने से पहले ऐसी आखिरी ख्वाहिश मांग लेते हैं, जिसे सुनने के बाद आपको भी अचरज होगा। लेकिन कानून इसे पूरा करने की भरपूर कोशिश करता है।

- जहरीला इंजेक्शन दिया गया अपराधी को

ऐसी ही एक आखिरी ख्वाहिश रखी थी मर्डर के आरोप में अमेरिका के मिसिसिपी जेल में बंद गैरी कार्ल सिमोंस जूनियर ने। गैरी ने अपनी मौत से पहले एक आखिरी खाना आर्डर किया था। लेकिन उसका खाना कोई ऐसा-वैसा नहीं था। गैरी को अपराध की दुनिया का कसाई कहा जाता था। उसके ऊपर 21 साल के जेफ्री वुल्फ की हत्या का आरोप था। इस मर्डर में उसे मौत की सजा सुनाई गई थी। गैरी से जब मौत से पहले उसकी आखिरी ख्वाहिश पूछी गई तो उसने एक ऐसा खाना ऑर्डर किया, जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए। शख्स ने सिर्फ अपने लिए 29 हजार कैलोरीज का खाना ऑर्डर किया था।

मर्डर के आरोप में मिली थी जेल की सजा

मौत से 90 मिनट पहले खाया खाना गैरी को 20 जून 2012 को जहरीले इंजेक्शन से मौत की नींद सुला दिया गया। लेकिन उससे 90 मिनट पहले उसे खाना सर्व किया गया। बताया जाता है कि उसने ऑर्डर किये गए खाने में से आधा से ज्यादा खाना खत्म कर लिया था। उसने सारे आइटम टेस्ट किये थे। हालांकि, वो सारा खाना खत्म नहीं कर पाया। जानकारी के मुताबिक, गैरी ने जिसकी हत्या की थी, उससे ड्रग्स के पासी वसूलने गया था। लेकिन बहस बढ़ते ही उसने वोल्फ की हत्या कर दी।

ये था आखिरी खाने का मीनू

रिपोर्ट के मुताबिक, गैरी ने जिस शख्स की हत्या की थी, उसकी लाश को 1996 में मगरमच्छ को खिला दिया था। लेकिन अपने लिए जो खाना उसने ऑर्डर किया था, उसमें कई तरह की वेरायटी थी। इस मील में कई तरह के पिज्जा, सॉसेज, एक फैमिली पैक चिप्स, दो स्ट्रॉबेरी शेक, कोक, फ्राइज, और दो फैमिली पैक स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम शामिल थे। इस पूरे मील में 29 हजार कैलोरीज शामिल थे। आमतौर पर एक शख्स को जिंदा रहने के लिए पूरे दिन में बारह सौ कैलोरीज चाहिए होते हैं। इस हिसाब से गैरी ने जो खाना मंगवाया था, उसमें 72 लोग खाना खा लेते।

देसी जुगाड़ से मिनटों में कर दी गेहूं की कटाई

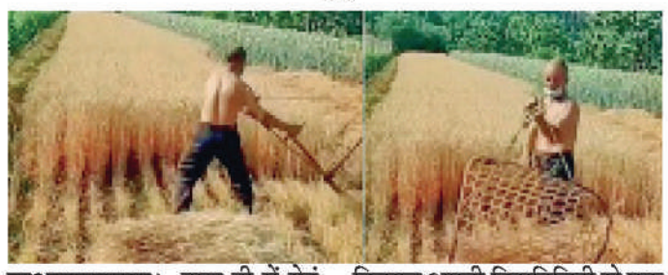

कुआलालम्पुर। हाल ही में गेहूं की कटाई का एक दिलचस्प वीडियो सामने आ रहा है, जिसमें एक शख्स बड़े आराम से गेहूं की कटाई करता नजर आ रहा है। इस दौरान शख्स ने जो देसी जुगाड़अपनाया है, उसे देखकर सोशल मीडिया यूजर्स भी शख्स की क्रिएटिविटी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। तेजी से वायरल हो रहे इस कमाल के वीडियो में एक किसान अपनी क्रिएटिविटी से एक अनोखे जुगाड़ यंत्र की मदद से पल भर में गेंहू की कटाई करता नजर आ रहा है, जिसे देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। वीडियो में किसान को जबरदस्त जुगाड़ से गेहूं की कटाई करता देख सोशल मीडिया यूजर्स भी अचरज में पड़ गए हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि, कैसे किसान देसी अंदाज में गेहूं की कटाई कर रहा है।

ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ भाकपा माले ने सौंपा मांग पत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वामपंथी दलों के प्रदेश व्यापी आह्वान पर, सीपीआई, सीपीएम माले के कार्यकताओं ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भाकपा माले जिला सचिव शशिकांत कुशवाहा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर प्रदेश में ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ महामहिम राज्यपाल को संबोधित मांग पत्र डीएम गाजीपुर को सौंपा। इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाकपा माले अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष नंदकिशोर बिंद ने कहा कि 15 अप्रैल की रात में प्रयागराज में पुलिस हिरासत में जिस तरह से 2 लोगों की हत्या की गई, उसने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गहरा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। वारदात के समय काफी संख्या में मौजूद पुलिस के द्वारा हमलावरों के विरुद्ध कोई भी प्रतिक्रिया नहीं की गई और हमलावर इत्मीनान के साथ अपराध करने में सफल हुए। यह घटनाएं स्पष्ट करती हैं कि प्रदेश में कानून का राज नहीं रह गया है और अपराधी पुलिस बल पर भारी हैं। हमलावरों ने हत्या के बाद जो नारे लगाए और सरकार के मंत्रियों तथा भाजपा के नेताओं के जो बयान आ रहे हैं, उससे

सांप्रदायिक नफरत पैदा करने की कोशिश स्पष्ट नजर आ रही है। इसी तरह बलिया में एक छात्र नेता को गुंडों ने दौड़ा-दौड़ा कर मार डाला, किंतु पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। फर्जी एनकाउंटर के द्वारा आरोपितों की पुलिस द्वारा हत्या की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। एक राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस के द्वारा 183 एनकाउंटर किए जा चुके हैं। योगी सरकार न्यायपालिका के कार्यों को अपने हाथों में लेकर खुद ही दंड दे रही है। बयानों में मुख्यमंत्री इस बात को साबित भी कर रहे हैं। दूसरी तरफ, प्रदेश में कमजोर तबकों, दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर हमले और उनका उत्पीड़न निरंतर बढ़ता जा रहा है, जिसकी खबर प्रति दिन अखबारों में छपा करती हैं। पुलिस थाने भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके हैं। वहां उत्पीड़ित कमजोर लोगों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जालौन में परीक्षा देकर घर लौट रही छात्रा को बीच सड़क पर दिनदहाड़े गोली मारी गई। उन्नाव में जमानत पर छूटे गैंगरेपिस्टो ने बलात्कार पीड़िता का न सिर्फ घर जला दिया बल्कि परिवार के दोमुंहे दो बच्चों को जलती आग में फेंक दिया। ये घटनाएं दिखाती है कि प्रदेश में कानून का राज नहीं है। दूसरी तरफ कानून व्यवस्था के नाम पर राजनीतिक विरोधियों का गला दबाया जा रहा है उन्होंने उत्तर प्रदेश में लगातार ध्वस्त होती जा रही कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाने की कानून का राज स्थापित करने की मांग उठाई तथा मुख्यमंत्री सहित भाजपा के अन्य नेताओं के लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी बयानों तथा वक्तव्यों पर रोक लगाने की मांग उठाई। अखिल भारतीय महासभा के जिलाध्यक्ष गुलाब सिंह ने गाजीपुर जिले के खांनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हथौड़ा गांव में ध्वस्त कानून व्यवस्था के खिलाफ 19 अप्रैल को पूतला फूंककर शान्ति पूर्ण आवाज उठाने वाले माले नेता पंकज भारद्वाज, संजय विश्वकर्मा, किसान महासभा के जिला कार्यकारिणी सदस्य आजाद यादव समेत अन्य कार्यकर्ताओ के खिलाफ दर्ज फर्जी व मनगढ़ंत मुकदमा बिना शर्त वापस लेने तथा धरपकड़, गिरफ्तारी पर कड़ाई से रोक लगाते हुए उत्पीड़न बंद करने की मांग उठाई। कार्यक्रम मे भाकपा माले के केन्द्रीय कमेटी सदस्य ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा, जिला सचिव शशिकांत कुशवाहा आजाद यादव, गुलाब सिंह जिलाध्यक्ष, योगेन्द्र भारती, सीपीआई के जिला मंत्री जनार्दन राम, अमेरिका यादव, ईश्वर लाल गुप्ता,सीपीएम के विजय बहादुर सिंह ने संबोधित किया।

सपा प्रत्याशी उषा जयसवाल के समर्थन में निर्दल प्रत्याशी मालती मौर्या ने अपना नांमाकन पत्र वापस लिया

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के कुशल नेतृत्व के चलते समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी उषा जयसवाल के समर्थन में निर्दल प्रत्याशी मालती मौर्या ने अपना नांमाकन पत्र वापस ले लिया । वहीं मालती मौर्या ने कहा कि उषा जयसवाल समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी बनाई गई हमनें भी समाजवादी पार्टी से चुनाव लड? के लिए आवेदन किया था लेकिन टिकट हमारी छोटी बहन उषा जयसवाल को मिल गया है हम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सरकार ने निर्णय को स्वीकार करते हुए अपना नामांकन वापस लिया है और उषा जयसवाल को चुनाव जीताकर समाजवादी

पार्टी का नगरपालिका अध्यक्ष बनाने का काम करुगीं।वहीं उनके पति गप्पू मौर्या ने कहा समाजवादी पार्टी हर निर्णय हमारे लिए सर्वमान्य है पार्टी से बडा हमारे लिए कुछ नहीं है इस बार समाजवादी पार्टी से नगरपालिका का अध्यक्ष होगा हम सभी लोग मिलकर चुनाव जितेगें और 20 साल के भ्रष्टाचार से नगरपालिका को मुक्त कराने का काम करेगें । इस मौके पर निवर्तमान जिला महासचिव हिसामुद्दीन शाह, राजेन्द्र टाइगर, राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल, गप्पू मौर्या, राजेश यादव, विवेक रंजन यादव, जेपी यादव, डां जंगबहादुर यादव, अजय मौर्या, अनील दूबे संतोष मौर्या, अमन मौर्या, आदि लोग उपस्थित रहें।

प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों का एडमिशन कराएं : खंड शिक्षा अधिकारी

पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिसरेड़ी में हुआ स्कूल चलो अभियान रैली का भव्य आयोजन

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। खंड शिक्षा अधिकारी ठेकमा संतोष कुमार तिवारी के निर्देशन में शिक्षा क्षेत्र ठेकमा के पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिसरेड़ी एवं प्राथमिक विद्यालय सिसरेड़ी के बच्चों द्वारा गुरुवार को स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई।

रैली को प्रधानाध्यापक श्याम सुंदर तिवारी एवं दिनेश यादव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।रैली का संचालन अनुदेशक मनीष कुमार गुप्ता ने किया ।बच्चों तथा अध्यापकों द्वारा ग्रामसभा का भ्रमण किया गया और स्कूल चलो संबंधित नारे लगाकर लोगो को जागरूक किया ।हम बच्चों का नारा है ,शिक्षा अधिकार हमारा है । मम्मी -पापा हमे पढ़ाओ ,स्कूल में चलकर नाम लिखाओ। बच्चे मांगे प्यार दो,शिक्षा अधिकार दो। पापा सुन लो विनय हमारी ,पढ़ने की है उम्र हमारी जैसे नारो से ग्रामीणो को जागरूक किया गया । समस्त ग्रामवासियों से अपील की

गई कि अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनका प्रवेश शीघ्र से शीघ्र सरकारी प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में कराए। प्रधानाध्यापक श्याम सुन्दर तिवारी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शासन स्तर से अच्छी सुविधा दी जा रही है।बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें, मध्याह्न भोजन मिल रहा है तथा ड्रेस,बैग, जूता मोजा,तथा स्वेटर के लिए अभिभावकों के खाते में 1200 रुपया भेजा जा रहा है।सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक प्रशिक्षित एवं अनुभवी होते है।ऐसे में जन जन की सक्रियता से ही सर्व शिक्षा अभियान को सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर सुशील गौतम, रामानंद प्रजापति, मनीष गुप्ता , महिमा राय, रेनू सिंह, सुशील सिंह, अनिल कुमार, जगदीश यादव, देवेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

शाहगंज में निवर्तमान चैयरमैन व भाजपा प्रत्याशी गीता जायसवाल ने किया जनसम्पर्क

कहा - ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से शाहगंज का सर्वांगीण विकास होगा

प्रखर जौनपुर। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने पूरा दमखम लगा दिया है। शाहगंज नगर पालिका सीट से निवर्तमान चैयरमैन व बीजेपी प्रत्याशी गीता जायसवाल भी जनता के बीच जाकर वोट मांग रही है। बता दें कि गीता जायसवाल बीजेपी नेता ओम प्रकाश जायसवाल के भाई प्रदीप जायसवाल की पत्नी हैं। उन्होंने कहा कि यदि शाहगंज की जनता दोबारा मौका देती है तो सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हुए शाहगंज का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। गीता जायसवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार है, ऐसे में नगर पालिका के चुनाव में भी जनता कमल खिलाकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी तो शाहगंज का सर्वांगीण विकास होगा। बीजेपी प्रत्याशी ने कहा कि वह विकास के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जा रही है। उन्हें हर वर्ग के लोगों का समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। यह चुनाव वह नहीं बल्कि शाहगंज नगर की जनता स्वयं लड़ रही है। जनता दोबारा शाहगंज में कमल खिलाने के काम करेगी।

जिलाध्यक्ष का जनपद सीमा पर सपाईयों ने किया स्वागत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। समाजवादी पार्टी द्वारा सुजीत यादव को दोबारा जिला अध्यक्ष बनाए जाने व गृह जनपद आगमन पर गुरुवार को जनपद सीमा फूलपुर में सपाइयों ने भव्य स्वागत किया। सुबह 11 बजे जिलाध्यक्ष का काफिला फूलपुर पहुचा तभी वहां खड़े सपाईयों ने ढ़ोल नगाड़ो के साथ माला पहनाकर कर स्वागत किया। इस दौरान समाजवादी व्यापार सभा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव नंदलाल जायसवाल व विस अध्यक्ष उदल सिंह पटेल, जयप्रकाश यादव, अजय सिंह बिसेन, श्रीमती मालती पटेल, आजाद अली, सुरेंद्र गौड़ जियालाल पाल, आनंद सिंह पटेल, चन्द्रबली गुप्ता, सुरेश प्रजापति समेत अनेक कार्यकर्ता रहे। वही विन्दा मोड़ पर भी सपाइयों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

कैशलेस कार्ड बनने की राह हुई आसान

प्रखर कुशीनगर। जनपद में कैशलेस कार्ड बनवाना अब और आसान हो गया है। प्रदेश सरकार का अब कोई भी अधिकारी, कर्मचारी या पेंशनर यह कार्ड घर बैठे अपने कंप्यूटर से बहुत ही आसानी से बना सकता है। यह कार्ड पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत ऑनलाइन बन रहे हैं। कैश लेस योजना के जिला नोडल डॉ संजय गुप्ता ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत सरकारी कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कार्ड बनने में आ रही कठिनाईयां दूर कर ली गई हैं। योजना के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से लाभार्थियों को आसानी से कार्ड उपलब्ध हो रहे हैं। पोर्टल https://sects.up.gov.in/ पर योजना से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी उपलब्ध हैं। स्टेट हेल्थ कार्ड बनाने की पूरी प्रक्रिया को पोर्टल पर वीडियो के रूप में भी प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजनान्तर्गत आबद्ध प्राइवेट चिकित्सालयों के अतिरिक्त लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई जैसे संस्थानों में भी सुविधा मिल दी जा रही है. विभिन्न जनपदों में

आबद्ध चिकित्सालयों का विशेषज्ञतावार विवरण योजना के पोर्टल पर उपलब्ध है। किसी भी तरह की मदद के लिए योजना के टोल फ्री नंबर 1800 1800 4444 को डायल कर सकते हैं।

मेडिकल बिल पर सीएमओ की मंजूरी की बाध्यता खत्म- सरकारी अस्पताल में इलाज में खर्च होने वाले बिल को उस चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) या प्रभारी ही अंतिम रूप में प्रमाणित कर सकेंगे। जबकि पहले सीएमएस या प्रभारी की ओर से प्रमाणित बिल को सीएमओ के स्तर पर दोबारा प्रमाणित करने का प्रावधान था। इसके बाद ट्रेजरी ऑफिस से मरीज को इलाज का खर्च मिलता था। जिन लाभार्थियों का कार्ड अब तक नहीं बन पाया है, उन्हें आवश्यकता पड़ने पर जिला अस्पताल, लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई, डॉ आरएमएल इन्स्टीट्यूट जैसे सरकारी चिकित्सा संस्थानों में इलाज कराने पर उनके चिकित्सा बिल की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति होगी। इसके लिए सीएमओ के प्रतिहस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होगी। यह प्रावधान योजना के शासनादेश में निहित है।

बनारस के 269 परिषदीय बच्चों ने पास की राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी बनारस के बच्चों ने सराहनीय प्रदर्शन किया है। अभी तक प्राप्त सूचना के आधार पर इस परीक्षा में सेवापुरी ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल अदमापुर की ज्योति पटेल ने टॉप किया है। कई अन्य स्कूलों के भी बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्राथमिक विद्यालय भतसार के सुजीत कुमार ने जिले में दूसरा और शनि यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।पूर्व माध्यमिक विद्यालय पयागपुर के कुल नौ छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में सफलता पाई है। इनमें किशन कुमार यादव का जिले में 12वां सुप्रिया गौतम का 17वां और अंजली राव का 27वां स्थान है। कम्पोजिट विद्यालय बसाव के छात्र अमन वर्मा ने जिले में 19वां स्थान हासिल किया। वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर के 6 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। इनमें सोनम वर्मा, अंकिता देवी, आनंद पटेल, विनीत कुमार सिंह, अंजली पटेल और अर्चना गुप्ता

रहीं। पूर्व माध्यमिक विद्यालय मेहंदीगंज के छात्र निलय सिंह तथा मोहम्मद आसिफ सफल रहे हैं। निलय को 18वां स्थान मिला है। सेवापुरी ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिखड़ी के छात्र सुंदरम पाल ने 10वां स्थान प्राप्त किया। आराजीलाइन ब्लॉक के यूपीएस भवानीपुर से चार और उच्च प्राथमिक विद्यालय टिकरी से एक छात्रा अनुष्का का भी चयन हुआ है। मुख्य बात यह रही कि इस बार बनारस को आवंटित कोई भी सीट खाली नहीं गयी। बताते चलें कि इस परीक्षा की जागरूकता प्रचार प्रसार एवं बच्चों के मार्गदर्शन में शिक्षक रविन्द्र सिंह , शैलेन्द्र विक्रम सिंह, छवि अग्रवाल ने अपने शैक्षिक समूह के माध्यम से बतौर मेंटर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जागरूकता अभियान चलाया। उनसे प्रेरणा लेकर शिक्षक अपने विद्यालय की टीम को प्रेरित कर रहे हैं परिणामस्वरूप सतत प्रयास से बच्चे लगातार बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराने के लिए प्राथमिक विद्यालय बनपुरवां की टीचर छवि अग्रवाल ने यूट्यूब चैनल और व्हाट्सएप ग्रुप से शिक्षण के माध्यम से विशेष प्रयास किए।गौरतलब है कि छवि के पढ़ाए हुए नौ छात्रों ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। बीएसए डॉ. अरविंद कुमार पाठक ने भी बच्चों की तैयारी के लिए 110 पुस्तकें उपलब्ध कराई। इसके अलावा जिला विज्ञान क्लब और मंडलीय उन्नयन टीम की तरफ से भी प्रयास हुए।

मतदान केंद्रों पर एमआरएफ का एसडीएम ने किया भौतिक सत्यापन

प्रखर मेंहनगर आजमगढ़। स्थानीय नगर पंचायत में नगर निकाय चुनाव को लेकर गुरुवार को निर्वाचन आयोग के निर्देश निकाय चुनाव को लेकर मेंहनगर के पांच मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया । चुनाव को सुचिता पूर्ण करने को लेकर एसडीएम मेंहनगर संत रंजन श्रीवास्तव ने कस्बा में बने मतदान केंद्रों व तेरह बूथों का भौतिक सत्यापन किया। एसडीएम ने बताया कि नगर निकाय चुनाव के लिए मेंहनगर नगर पंचायत अंतर्गत कुल पांच मतदान केंद्र बनाए गए है। मतदान के दौरान मतदान केंद्रों पर निवाचन आयोग के निदेर्शानुसार निर्धारित न्यूनतम आवश्यकता (एएमएफ) का पूर्णतः पालन करना है। इसमें मतदान केंद्र का भवन, पेयजल, बिजली, रैंप, शेड, महिला-पुरुष शौचालय आदि उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि वैसे मतदान केंद्र जहां यह सभी सुविधाएं नही है, वहां एएमएफ का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा न हो । भौतिक सत्यापन के दौरान हिन्दुस्तान प्रेस प्रतिनिधि से वार्ता के दौरान बताया कि निर्वाच आयोग का पालन करना होगा तथा अनाप शनाप सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वालो पर पैनी नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष एमएसडी ग्रुप के चेयरमैन द्वारा दी गई इलेक्ट्रॉनिक ट्राई साइकिल

प्रखर गंभीरपुर/आजमगढ़। एमएसडी पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्रुप के चेयरमैन ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर संतोष कुमार मिश्रा ने आज विद्यालय परिसर में सरायपलटु निवासी आशीष राय पुत्र पप्पू राय को इलेक्ट्रॉनिक साइकिल की चाबी व पेपर उपहार स्वरूप प्रदान किया जानकारी के अनुसार लगभग 3 वर्ष पूर्व दुर्घटना के कारण दोनों पैर से विकलांग हो गए जिसको देखते हुए डॉक्टर संतोष मिश्रा द्वारा विकलांग आशीष राय के जीवन में खुशी लाने के लिए इलेक्ट्रानिक बाइक साइकिल चेन्नई से मंगा कर दिया गया जिसकी कीमत लगभग 125000 से अधिक बताई जा रही दुर्घटना के कारण दोनों पैर से विकलांग हो गए जिसको अलग करने पर ट्राई साइकिल काभी काम करना शुरू कर देती है, इस मौके पर आशीष राय के पिता पप्पू राय,मुन्ना गिरी, रविन्द्र कुमार मिश्रा,विद्या शंकर मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, विंध्यवासिनी, रविकांत, दीक्षा राय, हिमांशु मिश्रा, लकी श्रीवास्तव समेत दर्ज दर्जनों लोग मौजूद रहे।

दयालपुर में राम देई बलिका जूनियर हाई स्कूल ने निकाला स्कूल चलो अभियान रैली

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। मोहम्मदपुरर विकासखंड के राम देई देवी देवी बालिका जूनियर स्कूल दयालपुर से स्कुल चलो अभियान रैली को सुबह 8:00 बजे विद्यालय परिसर से निकाली गयी जो सर्वप्रथम मिजार्पुर नौका पुरवा दरियापुर समेत कई गांवों का भ्रमण किया वही खंड शिक्षा अधिकारी मुहम्मदपुर राकेश कुमार भी मौजुद रहे। प्रभारी प्रधानाध्यापक ममता कुमारी,गुंजन सिंह हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। तथा बहुत से ग्राम वासी उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी लोगो ने ग्रामवासी से अपील किया की अब सरकारी स्कूल में शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा हो गया है इस लिए आप लोग अधिक से अधिक संख्या में बच्चो का प्रवेश स्कूल में कराएं रैली ग्राव एवं , इस मौके पर ,अरविंद प्रजापति लकी श्रीवास्तव सोनल चौहान अर्चना विश्वकर्मा अन्य सभी पुरवे में भ्रमण कराया गया।

खरदहा में नलकूप संख्या 539 का स्टेबलाइजर उठा ले गए चोर

प्रखर नियार वाराणसी। दानगंज चोलापुर थाना क्षेत्र के खरदहा गांव में लगा किसानों के लिए नलकूप संख्या 539 का स्टेबलाइजर के समान को चोरों के द्वारा खोलकर ले जाने के मामले में ग्रामीणों ने चोलापुर पुलिस को सूचना दी है घटना बुधवार की देर शाम पता चलने पर लोगों ने पुलिस को जानकारी दी है किसान पिंटू सिंह ने बताया कि नलकूप के बाहर 100 वाट का स्टेबलाइजर रखा था जिससे नलकूप चलता था चोरों के द्वारा उसे खोल कर उसकी सामग्री उठा ले गए है नलकूप चलाने में अब समस्या आएगी 112 और चोलापुर पुलिस को सूचना दी गई है।

शीएट इंजीनियरिंग कॉलेज में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

प्रखर वाराणसी। शीएट इंजीनियरिंग कॉलेज बाबतपुर वाराणसी में JAY BHARAT MARUTI LTD. कंपनी के द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया, जिसमें पॉलिटेक्निक के 8 विद्यार्थियों का चयन किया गया। JAY BHARAT MARUTI LTD. कंपनी ने साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद 8 छात्रों निखिल कुमार (मैकेनिकल), मुकेश (मैकेनिकल), हिमांशु (मैकेनिकल), रोहित वर्मा (मैकेनिकल), सिद्धार्थ शर्मा (मैकेनिकल), विवेक कुमार (मैकेनिकल), उत्कर्ष कुमार (इलेक्ट्रिकल), संकेत शर्मा (इलेक्ट्रिकल) को 1.7 लाख (वार्षिक) के पैकेज के लिए ऑफर लेटर प्रदान किया। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विवेक विक्रम सिंह ने छात्रों को कड़ी मेहनत एवं लगन से प्राप्त शिक्षा

के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरस्वती हायर एजुकेशन एंड टेक्निकल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पूर्वांचल में शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है तथा छात्र/छात्राओं को अपनी भी शुभकामनाएं दी। छात्रों के JAY BHARAT MARUTI LTD. में चयनित होने पर संस्था के चेयरमैन श्री वीरेन्द्र सिंह, संस्था के वाईस चेयरमैन श्री विनोद सिंह, संस्था के डायरेक्टर प्रो० कुलभूषण गुप्ता, संस्था के रजिस्ट्रार डॉ० विजय उपाध्याय, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी श्री विनय भक्तुला, CRC डायरेक्टर श्री विनय कुमार सिंह ने सभी छात्रों को बधाई तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी। इस अवसर पर संस्था के सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण ने छात्रों के सफल चयन पर बधाई एवं शुभकामनायें दी।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं